सुविचार

मनुष्य को हमेशा मौका नही ढूंढना चाहिये, क्योंकि जो आज है वही सबसे अच्छा मौका है।

RNI No. MPHIN2010/33758

दैनिक स्वराज्य अभियान

तंत्र के प्रभाव, दबाव से मुक्त एवं राष्ट्रीय समाज के लिए समर्पित एक मात्र समाचार पत्र

भोपाल, शुक्रवार, 09 अक्टूबर 2020 | पं. एस.के. भारद्वाज | वर्ष-11, अंक-73 | पृष्ठ-8, मूल्यः 2 रुपये

www.swarajyanews.in

पेज 7

बीजेपी छोड़ चिराग का साथ देने एलजेपी में आए सभी नेताओं को मिला टिकट

42 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए लोक जनशक्ति पार्टी ने 42 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी से लोजपा में शामिल होने वाले राजेंद्र सिंह को दिनारा से टिकट मिला है। वहीं उषा विद्यार्थी को पालीगंज से पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा बीजेपी से ही लोजपा में आए रामेश्वर चौरसिया को पार्टी ने सासाराम से टिकट दिया है।

गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करते हुए लोजपा ने शेखपुरा से इमाम मजाली, डुमराव से अखिलेश कुमार सिंह, करगहर से राकेश कुमार सिंह, बेलहर से कुमारी अर्चना उर्फ बेबी यादव, सिंकदरा (सुरक्षित) से रविशंकर पासवान, चेनारी (सुरक्षित) से चंद्रशेखर पासवान और झाझा से रवींद्र यादव को टिकट दिया है। रवींद्र यादव बीजेपी के वर्तमान विधायक भी हैं।

इसके अलावा तारापुर से मीना देवी, कुटुम्बा (सुरक्षित) से सरुण पासवान, बरबीघा से मधुकर कुमार, अमरपुर से मृणाल शेखर, चकाई से संजय कुमार मंडल, संदेश से श्वेता सिंह, बाराबट्टी (सुरक्षित) से रेणुका देवी, गोविंदपुर से रणजीत यादव उर्फ रणजीत प्रसाद, नवादा से शशि भूषण कुमार, मोकामा से सुरेश सिंह निषाद, सूर्यगढ़ा से रविशंकर प्रासद सिंह उर्फ अशोक सिंह, मसौढ़ा (सुरक्षित) से परशुराम कुमार और रफीगंज से मनोज कुमार सिंह को लोजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

लोजपा ने नोखा से डॉ कृष्ण कबीर, जगदीशपुर से भगवान सिंह कुशवाहा, कुर्था से भुवनेश्वर पाठक, बेलागंज से रामाश्रय शर्मा उर्फ पुण्यदेव शर्मा, राजापुर (सुरक्षित) से निर्भय कुमार निराला, अतरी से अरविंद कुमार सिंह, दिनारा से राजेंद्र सिंह, ब्रह्मपुर से हुलास पांडे, पालीगंज से उषा विद्यार्थी, धोरैया (सुरक्षित) से दीपक कुमार पासवान, इमामगंज (सुरक्षित) से शोभा, शेरघाटी से मुकेश कुमार यादव, जमालपुर से दुर्गेश कुमार सिंह, टिकारी से कमलेश शर्मा, अगिआंव (सुरक्षित) से राजेश्वर पासवान, सासाराम से रामेश्वर चौरसिया, जहानाबाद से इंदु देवी कश्यप, सुल्तानगंज से नीलम देवी, ओबरा से प्रकाश चंद्र, नवीनगर से विजय कुमार सिंह, घोसी से राकेश कुमार सिंह और मखदुमपुर (सुरक्षित) से रानी कुमारी को टिकट दिया है।

बंगाल में बवाल- वाटर कैनन में रसायन के इस्तेमाल का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में 'नाबन्ना चलो' आंदोलन कर रहे हैं। वहीं, प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया है। इसके साथ ही उनपर वाटर कैनन का भी प्रयोग किया गया है। प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पुलिस बल जुटा हुआ है। वाटर कैनन में केमिकल (रसायन) मिलाने की भी बात कही गई है। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि मुझे बताया गया है कि पानी (वाटर कैनन) में कुछ केमिकल का इस्तेमाल किया गया था, जिसके कारण लोगों को उल्टी हो रही थी। वाटर कैनन में केमिकल मिलाने की बात को पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव अलपन बंद्योपाध्याय ने खारिज कर दिया है।

पीएम मोदी ने कहा, हम समाधान की धरती बनकर उभरे हैं

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वार्षिक निवेश भारत सम्मेलन में कहा कि कोरोना के बाद की दुनिया में हमें विभिन्न प्रकार की समस्याओं के बारे में सुनने को मिलेगा। विनिर्माण की समस्या, आपूर्ति श्रृंखला की समस्या, PPE की समस्या आदि। हालांकि, भारत में हमने इन समस्याओं को आने नहीं दिया।हम समाधान की धरती बनकर उभरे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया में फार्मेसी की भूमिका निभा रहा है। हमने अब तक लगभग 150 देशों को दवा उपलब्ध कराई है। इस वर्ष मार्च-जून के दौरान हमारे कृषि निर्यात में 23 फीसदी की वृद्धि हुई। यह तब हुआ जब पूरे देश में लॉकडाउन सख्ती से लागू था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज भारत की कहानी मजबूत है और आने वाला कल इससे भी मजबूत होगा। एफडीआई के लिए कई सुधार किए गए हैं। हमने सॉवरिन वेल्थ और पेंशन फंड के लिए एक अनुकूल टैक्स व्यवस्था बनाई है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने शिक्षा, श्रम और कृषि के क्षेत्र में रिफॉर्म किए हैं, जिससे लगभग हर भारतीय प्रभावित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत में बाजार के साथ-साथ मानसिकता में भी तेजी से बदलाव हो रहा है। कंपनी अधिनियम के तहत हमने कई प्रावधानों को डिरेग्युलराइज और डिक्रिमिनलाइज किया है।

ट्रक मैं गुप्त कैबिन बनाकर किया जा रहा था अवैध शराब का परिवहन

- आबकारी भोपाल ने फिर की अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही
- आयशर ट्रक से परिवहन की जा रही महँगे ब्रान्ड की 20 लाख रुपये मूल्य की 85 पेटी अवैध विदेशी शराब पकड़ाई।

भोपाल

शहर में जिले के बाहर से अवैध मदिरा तस्करी की रोकथाम हेतु कलेक्टर श्री अविनाश लावनिया द्वारा सतत कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं इसी क्रम में दिनांक 7/10/2020 की रात्रि मुखबिर से प्राप्त सटीक सूचना पर सहायक आबकारी आयुक्त भोपाल श्री संजीव कुमार दुबे द्वारा जिला आबकारी बल के साथ विदिशा की ओर से आने वाली एक आयशर ट्रक क्रमांक रूा48 ाक्र4825 को भानपुर ओवर ब्रिज के पास रोका गया । आबकारी बल को मिली सटीक सूचना के बाद भी ट्रक प्रथम दृष्ट्या खाली पाया गया जिसे देखकर आबकारी अमला चौक गया । किंतु ट्रक की सघन तलाशी मैं ट्रक मैं बड़े ही शातिराना तरीक़े से ट्रक के पिछले लोडिंग भाग के 10 प्रतिशत भाग को गुप्त स्थान बनाया गया था।

गुप्त रूप से बनाए गए कैबिन को जब खोला गया तो उसमें अवैध शराब भरी पायी गई ।वाहन चालक जुल्फिकार पुत्र ताज़ अली चौधरी उम्र लगभग 65 वर्ष मौजूद था । टीम द्वारा ट्रक की तलाशी मैं ट्रक मैं बनाकर रखे गए कैबिन से भारी मात्रा मैं महँगे ब्रान्ड की लगभग 85 पेटी शराब ज़ब्त हुई । ज़ब्त हुई मदिरा की मात्रा 765 बल्क लीटर होना पाया गया। जिसकी बाजार कीमत

लगभग 15 लाख रुपये एवं ज़ब्तशुदा वाहन की बाज़ार कीमत लगभग 5 लाख रुपये होना पाया गया । आरोपी से ज़ब्त मदिरा एवं वाहन पर म0 प्र0 आबकारी अधिनियम 1915 (संसोधित 2000) की धारा 34(1)व (2) का अपराध पंजीबद्ध किया जाकर प्रकरण को विवेचना में लिया गया है।

उक्त प्रकरण डिप्टी कंट्रोलर श्री अतुल कुमार दुबे द्वारा पंजीबद्ध किया गया। ट्रक ओर मदिरा के राजसात की कार्रवाई जारी है। मदिरा ओर ट्रक का बाजार मूल्य लगभग 50 लाख है। सम्पूर्ण कार्यवाही मैं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री अरविंद सागर, श्री ओ पी जामोद एवं श्री सजेंद्र मोरी सहित मुख्य आरक्षक/आरक्षक प्रमोद शर्मा, अरविंद कुशवाहा , महेंद्र सिंह, हरपाल उपस्थित थे । सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा बताया गया की अबैध मदिरा परिवहन के विरुद्ध आगामी दिवसों में भी कड़ी एवं बड़ी कार्यवाही सतत जारी रहेगी।

स्वर्णिम प्रदेश के राजा **मामा लंकेश** का

PHD Specialist in Corruptology **'भ्रष्टोत्कर्षण'**

मध्यप्रदेश शासन अर्थात स्वर्णिम प्रदेश के राजा मामा लंकेश के शासन ने आयुष विभाग का स्वर्णिम कारनामा

मन की बात करने वाले की सरकार को, मामा लंकेश ने दिल से लगाया चूना

20 बंद इंजीनियगिंर कॉलेज को आयुष कॉलेज खोलने के लिए फर्जी दस्तावेजों के सहारे अनात्तपितप्रमाण पत्र

42 करोड़ का काढ़ा कमीशन में पीकर सरकार को किया कोरोना काल में आईसोलेट

600 करोड़ की राशि के बनाये फर्जी उपयोगिता प्रमाण पत्र

स्वराज्य अभियान, भोपाल

स्वर्णिम प्रदेश शासन के आयुष विभाग द्वारा आयुष मिशन से 600 करोड़ के भारत सरकार को भेजे गए उपयोगिता प्रमाण पत्रों की जांच कराने तथा वित्तीय वर्ष 2019-20 तथा 20-21 में शासन से प्राप्त राशि का दूसरे मद में खर्च करने 42 करोड़ का काढ़ा खरीदने तथा 20 बंद हो चुके इंजीनियरिंग कॉलेजों को फर्जी दस्तावेजों पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर आयुष मेडिकल कॉलेज खोलने की अनुमति प्रदान की गई यह पूरी काले जाले और फर्जीवाड़े की कार्यवाही डॉ.एम के अग्रवाल आईएएस के सानिध्य में की गई है।इस पूरे फर्जीवाड़े के मामले में लांजी विधानसभा के पूर्व विधायक श्री किशोर समरीते ने भारत सरकार एवं लोकायुक्त को शिकायत की है।

शिकायत के अनुसार आयुष विभाग में भारत सरकार द्वारा संचालित आयुष मिशन से 600 करोड़ रुपए की राशि जोकि वर्ष 2004 से अगस्त 2020 तक प्राप्त हुई इस राशि के फर्जी उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को भेजकर राशि का दुरुपयोग किया गया है इस राशि का दुरुपयोग करके विभाग में पदस्थ पीसी शर्मा औषधि निरीक्षक एवं एक अन्य संयुक्त संचालक श्रीमती बोराना द्वारा कूट रचित तरीके से सामग्री करें और दस्तावेजों की कूटरना में भरपूर पद का दुरुपयोग किया है। इनके द्वारा बीएमडब्ल्यू कार अनेकों मकान दुकान भूखंड आदि रिश्वत की राशि से क्रय किए गए हैं। इसी तरह आयुष विभाग के तत्कालीन प्रमुख सचिव एमके अग्रवाल आईएएस तथा पीसी शर्मा औषधि निरीक्षक द्वारा आयुष

विभाग से प्राप्त राशि जो दूसरे कार्यों के लिए आवंटित की गई थी इस राशि का मध्य परिवर्तन करके एमके अग्रवाल द्वारा आयुक्त आयुष के पद से राज्य शासन को अनुशंसा कर तथा प्रमुख सचिव आयुष विभाग से स्वीकृति देकर बिना परीक्षण कराए वित्तीय वर्ष 2019 20 तथा 20 21 की राशि से 42 करोड़ का काढा खरीदा गया। किससे काला आपूर्ति करने वाली संस्थाओं ने इन्हें 40त्न राशि कमीशन के रूप में दी। इस मामले में विभागीय मंत्री से बिना कोई अनुमोदन करवाएं एमके अग्रवाल द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई जबकि नियमानुसार प्रशासकीय स्वीकृति का अर्थ ही विभागीय मंत्री का अनुमोदन होता है। यकृत गंभीर अनियमितता की श्रेणी में आता है इसी प्रकार बंद पड़े 20 इंजीनियरिंग कॉलेजों को प्रमुख सचिव एनके अग्रवाल द्वारा बिना निरीक्षण कर आए 30 30 लाख रुपए लेकर आयुर्वेदिक महाविद्यालय खोलने की अनुमति प्रदान की गई। जबकि कॉलेजों का अनुमति से 2 वर्ष पूर्व संचालन शिक्षकों का वेतन छात्रों की दर्ज संख्या तथा संबंधित अस्पताल भी होना चाहिए यह अत्यंत गंभीर प्रकृति का आपराधिक कृत्य है डॉक्टर एनके अग्रवाल इससे पूर्व आयुक्त सहकारिता थे जिसमें गृह निर्माण समितियों की जांच , सहकारी समितियों की जांच, शिक्षा समितियों की जांच एवं पंजीयन कराने में इनके द्वारा 300 करोड़ से अधिक राशि वसूली गई तथा मध्य प्रदेश के कई संस्थानों में इनके द्वारा पैसा निवेश किया गया है। श्री एमके अग्रवाल आईएएस तथा प्रमुख सचिव आयुष विभाग तथा आयुक्त आयुष विभाग रहते हुए इनके द्वारा कम समय के कार्यकाल में अपने करीबी पीसी शर्मा श्रीमती बोराना द्वारा आयुष विभाग में 20 आयुर्वेदिक कॉलेजों के अनुमति काढा खरीदी तथा आयुष मिशन की राशि से 150 करोड़ रुपए से अधिक राशि बतौर धन से रिश्वत के रूप में की है । इस संबंध में पूर्व विधायक श्री किशोर समरीते द्वारा उच्च स्तरीय जांच कराने का भारत सरकार मुख्य सतर्कता आयुक्त सहित महत्वपूर्ण अधिकारियों तथा जांच एजेंसियों से उच्च स्तरीय जांच करने की लिखित शिकायत की है।

डॉ. एम.के. अग्रवाल (आईएएस)
तत्कालीन प्रमुख सचिव एवं आयुक्त आयुष विभाग, स्वर्णिम प्रदेश, भारत

मैं अभी आयुष विभाग में नहीं हूं जो भी जानकारी चाहिए विभाग से ले लें। किसी शिकायत करने से कुछ नहीं होता है। फर्जी सर्टिफिट की शिकायत कोई भारत सरकार ने नहीं की है। शिकायत कोई भी करता रहता है।

हाथरस केस में नया मोड़, आरोपियों ने एसपी को लिखी चिट्ठी

पीड़िता का परिवार ही शक के घेरे में

हाथरस कांड के आरोपियों संदीप, रामू, लवकुश और रवि ने एसपी को चिट्ठी लिखकर पीड़िता के परिवार पर ही सवाल उठाए हैं।

उत्तर प्रदेश के हाथरस में युवती से दुष्कर्म और फिर उसकी मौत का बवाल थमता नजर नहीं आ रहा है। मामले में खूब राजनीति भी हो रही है। इस बीच, हाथरस कांड के आरोपियों संदीप, रामू, लवकुश और रवि ने एसपी को चिट्ठी लिखकर पीड़िता के परिवार पर ही सवाल उठाए हैं। चिट्ठी में लिखा गया है कि पीड़िता के परिवार ने उन्हें फंसाया है। संदीप की लड़की से दोस्ती थी और यह बात परिवार वालों को नापसंद थी। इसी बात को लेकर उन्होंने पीड़िता की पिटाई की थी। चारों आरोपियों ने युवती की मां और भाई को दोषी बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के जज से कराई जाए हाथरस कांड की जांच- कांग्रेस ने हाथरस कांड में उत्तर प्रदेश सरकार पर ध्यान भटकाने और बहाने तलाशने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि इस घटना की सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के किसी वर्तमान जज से जांच कराई जानी चाहिए।

पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने यह भी कहा कि राज्य की भाजपा सरकार को घड़ियाली आंसू बहाना बंद करके घटना के असली दोषियों को सजा दिलाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा दंगों की साजिश की बात उस वक्त की जा रही है जब एक महिला के साथ ज्यादती और हत्या का आरोप है और उसका रात के अंधेरे में अंतिम संस्कार कर दिया गया हो।

दंगों की साजिश की बात वो लोग कर रहे हैं जिनकों इसमें पीएचडी हासिल है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार की तरफ से कहा गया है कि उसे हटाने का षड्यंत्र किया गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, अगर कोई पीड़िता के घर जाकर सहानुभूति जता देता है तो वो देशद्रोह नहीं है। सिंघवी ने दावा किया कि भाजपा के कई नेता इस घटना के बाद वाहियात बातें कर रहे हैं जो भारतीय लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है।

डाक से भी मतदान कर सकेंगें दिव्यांग, वृद्ध और कोरोना संक्रमित मतदाता

रायसेन।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अनुपस्थित मतदाता की श्रेणी के अंतर्गत 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता, दिव्यांग मतदाता तथा कोविड-19 संक्रमित मतदाता को डाक मतपत्र से मत देने के लिए शामिल किया गया है। आयोग के निर्देशानुसार सांची विधानसभा उपचुनाव में अनुपस्थित मतदाता की श्रेणी के तहत चिन्हित मतदाता डाक मतदपत्र से मत देने की सुविधा का लाभ ले सकें, इसके लिए डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी डाक मतपत्र/ईटीपीबीएस श्रीमती प्रियंका मिमरोट द्वारा सहायक

भिलाई इस्पात संयंत्र में फिर दुर्घटना,कन्वेयर बैटरी टूटकर गिरी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में बुधवार की रात फिर एक बार बड़ी दुर्घटना टल गई। यहां उत्पादन के दौरान अचानक कोक ओवन बैटरी क्रमांक-9 की दो जर्जर कन्वेयर बैटरी टूटकर गिर गई। इससे कोक बनाने की प्रक्रिया ठप हो गई है और इस्पात का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। जनसंपर्क विभाग का कहना है कार्मिक सुरक्षित हैं। घटना के कारणों की जांच की जा रही। हालांकि कार्मिकों का कहना है कि गैलरी जर्जर थी। प्रबंधन भी इसे खतरनाक मानते हुए मरम्मत कार्य करा रहा था, तभी रात में गैलरी गिर गई। इस घटना में किसी कार्मिक को कोई चोट नहीं आई है।

बता दें- कि भिलाई इस्पात संयंत्र ने लाकडाउन अवधि में इस्पात उत्पादन को कम कर दिया था। इसके चलते कोक ओवन बैटरी क्रमांक-5 का उत्पादन मार्च में बंद कर दिया था। मौके का फायदा उठाते हुए प्रबंधन ने बैटरी का मरम्मत कार्य शुरू कराया। खराब हो रहे सामान को बदलने का सिलसिला शुरू हुआ। महत्वपूर्ण सामान बदल दिए गए। करीब छह माह तक नवीनीकरण का कार्य चला। अब फिर से उत्पादन शुरू कर दिया गया है।

एक तरफ इस्पात संयंत्र के विस्तार की प्रक्रिया चल रही है तो दूसरी ओर छह दशक पुराने संयंत्र की पुरानी अधोसंरचना अब जर्जर हो चुकी है। आए दिन इसकी वजह से दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पिछले दिनों संयंत्र में इसी तरह की दुर्घटनाओं में कुछ लोगों की मौतें भी हुई हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र को बरकरार रखने के लिए इसकी पुरानी मशीनरी और सिस्टम का पूरी तरह नवीकरण बेहद जरूरी है।

कचरे से आमदनी

भोपाल में 200 टन गीले कचरे से बनेगी आठ टन बायो सीएनजी गैस

भोपाल के रोज के 800 टन कचरे में से 500 टन का होगा निपटान

ब्यौहार, भोपाल। आदमपुर छावनी स्थित लैंडफिल साइट पर जमा लाखों टन कचरे के निष्पादन के लिए नगर निगम ने तैयारी पूरी कर ली है। प्रतिदिन निकलने वाले 800 टन में से 500 टन कचरे का न सिर्फ निपटान होगा, बल्कि इससे नगर निगम को राजस्व भी मिलेगा। इसमें 200 टन गीले कचरे से बायो सीएनजी गैस बनाने का काम किया जाएगा। साथ ही 300 टन सूखे कचरे से अलग-अलग सामग्री तैयारी होगी। दोनों ही प्रोजेक्ट के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं।अधिकारियों ने बताया कि नगर निगम का इस प्रोजेक्ट पर एक रुपये भी खर्च नहीं होगा। गीले कचरे से बायो सीएनजी गैस बनाने के लिए तीन कंपनियों ने नमूने भी ले लिए हैं। फिजिबिलटी टेस्ट के बाद रिपोर्ट के आधार पर कंपनियां टेंडर में भाग लेंगी। इसमें इंदौर में बायो सीएनजी प्रोजेक्ट पर काम कर रही कंपनियां भी शामिल हैं।

इन प्रोजेक्टों की जिम्मेदारी भी अपर आयुक्त शाश्वत मीणा को दी गई है। टेंडर जारी करने से पहले निगम प्रशासन ने प्रोजेक्ट की रिपोर्ट तैयारी कराई थी। इसी आधार पर टेंडर में शर्तों का भी उल्लेख किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि रोज 200 टन कचरे से प्रतिदिन छह से आठ टन बायो सीएनजी गैस तैयार होगी। 50 फीसद गैस कंपनी और 50 फीसद नगर निगम खरीदेगी। वर्तमान में सीएनजी गैस 72 रुपये प्रति किलो है। नगर निगम कंपनी से पांच रुपये प्रति किलो की दर पर गैस खरीदेगा। यह प्लांट भी आदमपुर छावनी में लगाया जाएगा। अनुमान है कि इससे नगर निगम को एक करोड़ रुपये सालना की आय होगी। जबकि प्रोजेक्ट में निगम का एक रुपये भी खर्च नहीं होगा।

वेस्ट री-साइकिल प्रोजेक्ट-यह प्रोजेक्ट सूखे कचरे पर आधारित होगा। इसमें प्रतिदिन 300 टन कचरे को री-साइकिल कंपनी करेगी। दरअसल, सूखे कचरे में बड़ी मात्रा में कांच, प्लास्टिक दूध की थैलियां, लेदर, कपड़े व अन्य कई प्रकार का कचरा होता है। यह प्रोजेक्ट भी आदमपुर स्थित लैंडफिल साइट पर ही लगाया जाएगा। शर्तों के मुताबिक कंपनी वेस्ट री-साइकिल से कच्ची या पक्की सामग्री अपने हिसाब से तैयार करेगी। इन्हें बेचने का अधिकार भी कंपनी का होगा। कचरे के एवज में निगम को कंपनी 38 लाख रुपये का राजस्व देगी।

इंदौर की तर्ज पर लैंडफिल साइट के उपचार की तैयारी-बीते माह प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने निगमायुक्त व अन्य अधिकारियों के साथ इंदौर नगर निगम द्वारा किए जा रहे कचरा निष्पादन के कार्यों का जायजा लिया था। इसी तर्ज पर भोपाल की आदमपुर कचरा खंती के उपचार का निर्देश दिया गया। नगर निगम ने इंदौर के कचरा प्रबंधन प्रोजेक्टों का अध्ययन किया है। इसी तर्ज पर भोपाल में प्रोजेक्ट पर काम किया जाना है। बता दें कि इंदौर में सूखे कचरे को 100 फीसद री-साइकिल किया जा रहा है। मशीनों के जरिए आयरन, चमड़ा, प्लास्टिक, कांच, कागज समेत 13 प्रकार की सामग्री को अलग किया जाता है।

धार्मिक स्थलों में एकसाथ 50 से ज्यादा लोग नहीं इकट्ठा होंगे

दिशानिर्देशों का पालन होगा अनिवार्य

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य में बृहस्पतिवार से श्रद्धालुओं के लिए खुलने जा रहे धार्मिक स्थलों एवं पूजा स्थानों में पालन किये जाने वाले दिशानिर्देशों की अधिसूचना बुधवार रात्रि जारी करते हुए कहा, कि किसी भी धार्मिक स्थल में एक साथ पचास से अधिक लोग एकत्रित नहीं हो सकेंगे एवं हर हाल में वहां सभी को मास्क पहन कर एकदूसरे से कम से कम छह फुट की दूरी रखनी ही होगी. झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह की ओर से आज रात्रि जारी इस अधिसूचना में कहा गया है, कि निरूद्ध क्षेत्र में कोई भी धार्मिक स्थल या पूजा स्थान लोगों के लिए नहीं खोले जायेंगे. इसके अलावा अन्य स्थानों पर सभी धार्मिक स्थानों एवं पूजा स्थलों को आम लोगों के लिए खोलने की अनुमति दी जायेगी, लेकिन इन श्रद्धा स्थलों के प्रमुख को इस बात का ध्यान रखना होगा कि वहां के लिए जारी दिशानिर्देशों का

अधिसूचना में कहा गया है, ''किसी भी पूजा स्थान अथवा धार्मिक स्थल पर एक साथ एक समय में पचास से अधिक लोग किसी भी हाल में एकत्रित नहीं होंगे और एक भक्त से दूसरे के बीच कम से कम छह फुट की दूरी सुनिश्चित की जायेगी. इसके लिए पूजा स्थल के बाहर पंक्तियों में एवं परिसर के भीतर भी लोगों के बीच छह फुट की दूरी सुनिश्चित करने के लिए स्थल प्रमुखों द्वारा वृत्त (गोले) बनाये जायेंगे.%% यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि इन धार्मिक स्थलों के आसपास कोई मेला नहीं लगेगा तथा कोई जुलूस नहीं निकाला जायेगा.

शहडोल कलेक्टर ने बुढ़ार में किया स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

शहडोल। कलेक्टर डॉ सतेंद्र सिंह ने बुधवार को की शाम जनपद पंचायत बुढार भ्रमण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने महिला वार्ड, पीएनसी वार्ड, एनआरसी तथा कोरोना वायरस मरीजों के लिए बनाए गए वार्ड का निरीक्षण किया।कलेक्टर ने खंड चिकित्सा अधिकारी बुढार को मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए एवं अस्पताल में साफ-सफाई एवं स्वच्छता के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण निर्मित करने की समझाइश दी। कलेक्टर ने कोविड-19 मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की एवं उन्हें दी जाने वाली चिकित्सकीय सुविधाओं एवं भोजन आदि की जानकारी प्राप्त की।कलेक्टर को मरीजों ने बताया कि यहां हर प्रकार की सुविधाएं मिल रही हैं, किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है, कलेक्टर ने खंड चिकित्सा अधिकारी बुढार को निर्देशित किया कि अस्पताल में बेड़ों में चादर रोज बदले जाएं। कलेक्टर ने खंड चिकित्सा अधिकारी को यह भी निर्देशित किया कि हम आइसोलेशन के मरीजों सतत निगरानी रखी जाए तथा उनके घर में ही उन्हें मेडिकल किट एवं काढ़ा आदि उपलब्ध कराया जाए।होम आइसोलेशन के मरीज की तबीयत खराब होने पर तत्काल उन्हें एंबुलेंस द्वारा मेडिकल कॉलेज के कोविड-19 सेंटर में भर्ती कराया जाए। कोविड-19 महामारी के संक्रमण एवं बचाव में सभी ऐतिहात के तौर पर कदम उठाए जाएं, किसी प्रकार की लापरवाही माफ नहीं होगी

डीआरआई इंदौर की टीम ने नरसिंहपुर में पकड़ी एक क्विंटल से ज्यादा चरस

नरसिंहपुर। डीआरआइ इंदौर और डीआरआइ भोपाल ने नरसिंहपुर पुलिस की मदद से 117 किग्रा हशीश (चरस) की खेप नरसिंहपुर हाइवे पर पकड़ी है। दिन और रात में चले इस ऑपरेशन में तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली रेनो डस्टर और टाटा जिस्ट से यह नशीला पदार्थ बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक इन कारों में हशीश को छिपाने के लिए विशेष जगह बनाई गई थी, दोनों वाहन उत्तर प्रदेश से इसे लेकर चेन्नई जा रहे थे। डीआरआइ और नरसिंहपुर पुलिस की टीम ने इन वाहनों को नरसिंहपुर के करीब हाइवे पर रोका था। बताया जा रहा है कि इसे नेपाल से लाया गया था। इस मामले में सात लोगों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। 117 किग्रा हशीश का पकड़ा जाना अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है। नरसिंहपुर एसपी के अनुसार डीआरआइ इंदौर को ये सूचना मिली थी कि प्रदेश में हशीश की बड़ी खेप आने वाली है। इसे लेकर अधिकारी खासकर नेशनल हाइवे पर नजर रख रहे थे। गुरुवार सुबह वे बचई गांव स्थित टोल प्लाजा पहुंचकर हर वाहन की जांच करने लगे। इसी दरमियान उन्हें चरस की ये खेप हाथ लग गई। एसपी के अनुसार पकड़े गए आरोपितों से अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं।

डीआरआई इंदौर और डीआरआई भोपाल ने नरसिंहपुर पुलिस की मदद से 117 किग्रा हशीश (चरस) की खेप नरसिंहपुर हाइवे पर पकड़ी

फिर शुरू हो सकता है गुर्जर आंदोलन,

कूच की तारीख तय करने को 17 अक्टूबर को मलारना डूंगर में महापंचायत बुलाई गई

राजस्थान। एक बार फिर से गुर्जर आंदोलन शुरू हो सकता है। इसे लेकर समाज के लोग तैयारी कर रहे हैं। यदि इस बार यह आंदोलन होता है तो इसका मुद्दा गुर्जर सहित 5 जातियों को लेकर रहेगा। समाज के लोगों ने इसे देखते हुए आगामी 17 अक्टूबर को महापंचायत भी बुलाई है। इसके बाद ही आंदोलन की रूपरेखा पर बात बन सकती है। गुर्जर सहित पांच जातियों को विशेष पिछड़ा वर्ग में दिए गए पांच फीसद आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने और राज्य सरकार की नौकरियों में आरक्षण का लाभ देने की मांग को लेकर आंदोलन की तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में गुर्जर नेताओं ने करौली से दिल्ली तक कूच की घोषणा की है। कूच की तारीख तय करने को लेकर 17 अक्टूबर को मलारना डूंगर में गुर्जर समाज की महापंचायत बुलाई गई है। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक कर्नल किरोड़ी सिह बैंसला ने राज्य सरकार पर समाज के साथ हुए समझौते की पालना नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि सरकार सब जानती है कि हम क्या चाहते हैं, ऐसे में हम सरकार के साथ वार्ता नहीं करेंगे। डेढ़ साल से मुख्य सचिव और सरकार के बीच उच्च स्तर पर वार्ता ही हो रही है। प्रक्रियाधीन भर्तियों में गुर्जरों सहित विशेष पिछड़ा वर्ग में शामिल पांच जातियों को आरक्षण का पूर्णरूप से लाभ नहीं मिल रहा है। हाल ही में राज्य सरकार ने खेल मंत्री अशोक चांदना को गुर्जर नेताओं से वार्ता करने के लिए अधिकृत किया है। अशोक चांदना ने कहा था कि यदि आवश्यकता हुई तो वह खुद जाकर गुर्जर नेताओं से वार्ता करेंगे।

इन पांच जातियों का है मामला-राज्य सरकार ने गुर्जर, रैबारी, रायका, गाड़िया लुहार और बंजारा जातियों को विशेष पिछड़ा वर्ग में पांच फीसद आरक्षण का एलान किया था। करीब डेढ़ साल पहले सत्ता में आई अशोक गहलोत सरकार ने विधानसभा में एक संकल्प पारित करा कर केंद्र सरकार को भेजा, जिसमें कहा गया कि विशेष पिछड़ा वर्ग में शामिल की गई उक्त जातियों का मामला संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए

विन्ध्य के विकास की कसर आगामी तीन साल में करेंगे पूरी: शिवराज

रीवा (मप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि उनकी सरकार विन्ध्य के विकास की कसर आगामी तीन साल में पूरी कर देगी। रीवा में 150 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का लोकार्पण करते हुए चौहान ने यह बात कही। चौहान ने कहा, ''मुझे विन्ध्य की जनता ने विशेष उपहार दिया है। मैं आप सबका आभारी हूँ। इसलिए प्रणाम नहीं, बल्कि दंडवत प्रणाम करता हूँ।'' इसके बाद उन्होंने मंच पर साष्टांग प्रणाम किया। मुख्यमंत्री इतने भावुक इसलिए हुए क्योंकि वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विन्ध्य क्षेत्र से 24 सीट जीतीं, जबकि कांग्रेस ने मात्र 6 जीती थीं। चौहान ने कहा, ''विन्ध्य के विकास में कोई कमी नहीं होगी। यह भविष्य में भोपाल एवं इंदौर से आगे निकल जायेगा।''

उन्होंने कहा, ''विन्ध्य क्षेत्र के विकास में जो कसर रह गई है, उसे तीन साल में पूरा करेंगे।'' चौहान ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में विन्ध्य क्षेत्र में बाणसागर बांध, सोलर पॉवर प्लांट, अच्छी सड़कों, मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी सहित विकास की अनेक सौगात दी गई हैं। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से रीवा ही नहीं, पूरे विन्ध्य को आधुनिक उपचार सुविधाओं की सौगात मिली हैं। इस अस्पताल में अब 'ओपन हार्ट सर्जरी' सहित अनेक गंभीर रोगों का उपचार हो रहा है। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से इस अस्पताल का निर्माण किया गया है।

चौहान ने इस समारोह में 399 करोड़ रुपये की लागत के निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कहा कि मुख्यमंत्री चौहान सच्चे जनसेवक के तौर पर प्रदेश की जनता की सेवा कर रहे हैं। कोरोना वायरस के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शीघ्र ही जागरूकता कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। इसमें मध्य प्रदेश वासियों की भूमिका अहम होगी। कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्वनी कुमार चौबे ने भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शिरकत की।

रेलवे स्टेशन पर डिस्पोजेबल चादर 60 रुपये और कंबल मिलेगा 100 में

ग्वालियर। नईदुनिया प्रतिनिधि, अनलॉक में अब ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा चुकी है, ऐसे में रेलों में यात्रियों की संख्या में भी काफी इजाफा हुआ है। रेल के अंदर यात्रा करने वाले यात्रियों को कोरोना महामारी से बचाने के लिए अब स्टेशन पर ही डिस्पोजेबल बेडरोल मिलेंगे। इसके लिए झांसी, ग्वालियर, मुरैना, ललितपुर, चित्रकूट एवं खजुराहो स्टेशनों का चयन किया गया है, जिसमें से ग्वालियर एवं मुरैना स्टेशनों पर कियोस्क सेंटरों की स्थापना के लिए स्वीकृति पत्र जारी हो गया है। स्टेशन पर यात्रियों को डिस्पोजेबल चादर 60 रुपये, डिस्पोजेबल तकिया 50 रुपये और डिस्पोजेबल कंबल 100 रुपये में मिल सकेगा।

ट्रेन के अंदर लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे द्वारा पूर्व में बेडरोल (बिस्तर) आदि की सुविधा प्रदान करती है, लेकिन कोरोना महामारी को देखते हुए रेलवे ने यह सुविधा फिलहाल कुछ माह के लिए स्थगित कर दी थी। रेलवे अब यात्रियों को स्वेच्छानुसार बेडरोल प्रदान करेगी। इसके लिए रेलवे ने शुल्क निर्धारित कर दिया है।

बेडरोल में यह रहेगी सुविधा-स्टेशन पर बनने जा रहे कियोस्क सेंटर पर डिस्पोजेबल बेडरोल, डिस्पोजेबल तकिया, हैंड टॉवल, सैनिटाइजर, मास्क, कंबल एक पैकेज एवं अलग-अलग भी मिलेंगे।

यह रहेगा बेडरोल का चार्ज-बेडरोल 2, टॉवल, सैनिटाइजर-199 रुपये बेडशीट 2, टॉवल, तकिया सैनिटाइजर -249 रुपये

चादर, टॉवल, ताकिया, कंबल, सैनिटाइजर- 299 डस्पोजेबल चादर - 60 रुपये डिस्पोजेबल तकिया- 50 रुपये, डिस्पोजेबल कंबल - 100 रुपये सैनिटाइजर 100 एमएल - 48 रुपये सैनिटाइजर 200 एमएल - 95 रुपये सैनिटाइजर 500 एमएल - 245 रुपयेभारतीय एन 95 मास्क - 95 रुपये 3 लेयर मास्क - 4 रुपये कॉटन मास्क - 40 रुपये लेटेक्स दस्ताने - 30 रुपये कॉटन दस्ताने 10 रुपये फेस शील्ड बैसिक 60 रुपये दस हजार मासूम चेहरों पर लाए ।

आबकारी टीम ने कार्रवाई कर जब्त की 70लीटर हाथभट्टी शराब

डबरा। उपचुनाव को लेकर प्रशासन द्वारा लगाई आदर्श आचार संहिता के बाद कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह तथा सहायक आबकारी आयुक्त संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस और आबकारी टीम वृत्त डबरा द्वारा अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ संयुक्त रूप से ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है और भारी मात्रा में शराब जब्त की जा रही है। उपचुनाव को लेकर प्रशासन द्वारा लगाई आदर्श आचार संहिता के बाद कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह तथा सहायक आबकारी आयुक्त संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस और आबकारी टीम वृत्त डबरा द्वारा अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ संयुक्त रूप से ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है और भारी मात्रा में शराब जब्त की जा रही है। बुधवार को आबकारी टीम ने मुखबिर की सूचना की सूचना पर जिला आबकारी अधिकारी रिनी गुप्ता के नेतृत्व में ग्राम चिरूली में नहर के किनारे दबिश दी और 70 लीटर हाथभट्टी शराब जब्त की और 3 हजार किग्रा गुड़ लाहन नष्ट किया। कार्रवाई के दौरान कच्ची शराब बनाने का सामान, छोटे बड़े ड्रम व जरीकेन जब्त किए। गौरतलब है कि आगामी माह में डबरा विधानसभा होने वाले उपचुनाव को लेकर अंचल में हाथभट्टी शराब बनाने का कारोबार जोर-शोर से चल रहा है। जिससे उपचुनाव में हाथभट्टी शराब का उपयोग किया जा सके। गत दिवस भी आबकारी टीम ने भितरवार क्षेत्र के ग्राम चिटौली में दबिश देकर 500 लीटर हाथभट्टी शराब और 2 हजार किग्रा गुड़ लाहन जब्त किया। बुधवार को शाम को लगभग 4 बजे आबकारी प्रभारी अमीन खान को सूचना मिली थी कि ग्राम चिरूली में डी- 17 नहर के किनारे अवैध से हाथभट्टी शराब बनाई जा रही है। मुखबिर की सूचना पर आबकारी टीम ने पिन पाइंट पर दबिश दी और भारी मात्रा में हाथभट्टी शराब जब्त की वहीं गुड़ लाहन नष्ट कराया। कार्रवाई के दौरान टेकनपुर चौकी प्रभारी आनंद कुमार, मुख्य आरक्षक बलवीर कटारे, अशोक जाटव, राजेन्द्र अहिरवार, राजेन्द्र, भरत जाटव, अजय आदि मौजूद रहे।

कार्रवाई से शराब माफियाओं में मचा हड़कंप-

बुधवार को आबकारी टीम द्वारा की गई कार्रवाई से अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने वाले माफियाओं में हड़कंप मच गया है। हालांकि ग्राम चिरूली में नहर किनारे की गई कार्रवाई में शराब माफिया मौके पर भागने में सफल हो गए। जानकारों का कहना है कि माफियाओं द्वारा उपचुनाव में लोगों को बांटने के लिए कच्ची शराब बनाई जा रही थी।

इनका कहना है- बुधवार को दोपहर में सूचना मिली थी कि ग्राम चिरूली में नहर के किनारे कच्ची शराब बनाई जा रही है। सूचना मिलने पर आबकारी टीम ने पिन पाइंट पर दबिश दी और 70 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त कर 3 हजार किग्रा गुड लाहन नष्ट कराया गया है।

निशंक ने 3 राज्यों के 4 केन्द्रीय विद्यालयों को दी स्थायी भवनों की सौगात

-70 करोड़ रुपये की लागत से तैयार भवनों से 4 हजार विद्यार्थी होंगे लाभान्वित

- अब तक अस्थायी भवनों में चल रहे थे चारों केंद्रीय विद्यालय

नई दिल्ली । 08 अक्टूबर (हि.स.)। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने गुरुवार को ओडिशा, राजस्थान और हरियाणा में केन्द्रीय विद्यालयों के चार नवनिर्मित भवनों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) द्वारा कोरोना संकट काल में किये कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि केवीएस ने स्कूली शिक्षा को डिजिटल माध्यम से अनवरत जारी रखकर बेहद सराहनीय कार्य किया है ।इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे , उच्च शिक्षा सचिव अमित खरे एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे ।जिन चार केन्द्रीय विद्यालयों का उद्घाटन किया गया है, उन में केन्द्रीय विद्यालय नयागढ़ (ओडिशा) , केन्द्रीय विद्यालय महुलदिहा राईरंगपुर (ओडिशा) , केन्द्रीय विद्यालय हनुमानगढ़ (राजस्थान) और केन्द्रीय विद्यालय क्रं-3 फरीदाबाद (हरियाणा) शामिल हैं । लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुए इन चार भवनों से जुड़े केन्द्रीय विद्यालय अब तक अस्थायी भव नों में चल रहे थे। अब स्थायी भवन मिलने से ओडिशा, हरियाणा और राजस्थान में लगभग 4 हजार विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, किसी भी संस्थान की ताकत, योग्यता एवं उसकी क्षमता का पता कठिन परिस्थितियों में उसके द्वारा किये गए कार्यों एवं उसके द्वारा लिए गए निर्णय से चलता है। निशंक ने कहा कि अब तक अस्थायी भवन से संचालित इन चारों स्कूलों के निर्माण पर लगभग 68.60 रुपये करोड़ की लागत लगी और इनसे ओडिशा, हरियाणा और राजस्थान में लगभग 4000 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। ये भवन कक्षा-कक्षों, प्रयोगशालाओं, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, खेल-कूद एवं संगीत तथा दिव्यांग बच्चों हेतु आवश्यक सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित हैं। ये भवन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख बिंदुओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी अब केन्द्रीय विद्यालय जैसे शैक्षिक संगठनों पर बढ़ जाती है। यह राष्ट्र की शिक्षा नीति है जिसकी सफलता हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होनें केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित देश की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि इंडिया फर्स्ट की सोच के साथ भारत को ज्ञान की महाशक्ति एवं फ्यूचरेडी बनाने के लिए आगे आएं और विद्यालयों के विकास में अपना पूर्ण सहयोग दें।

देहात पुलिस ने दो सटोरिए दबोचे, नकदी जब्त

भिंड। सटोरियों के पास से पुलिस ने नकद रुपये और सट्टे की पर्चियां बरामद की हैं। दोनों सटोरियों पर पुलिस ने सट्टा एक्ट में केस दर्ज किया है। देहात थाना पुलिस ने आरोपित शंकर लाल शाक्य निवासी यादव नगर भिंड को दबोचा है।

आरोपित के पास से पुलिस ने सट्टे की पर्ची और 440 रुपये नकद बरामद किए देहात थाना पुलिस ने दो सटोरियों को दबोचा है। सटोरियों के पास से पुलिस ने नकद रुपये और सट्टे की पर्चियां बरामद की हैं। दोनों सटोरियों पर पुलिस ने सट्टा एक्ट में केस दर्ज किया है। देहात थाना पुलिस ने आरोपित शंकर लाल शाक्य निवासी यादव नगर भिंड को दबोचा है। आरोपित के पास से पुलिस ने सट्टे की पर्ची और 440 रुपये नकद बरामद किए हैं।

बलरामपुर में हुआ बड़ा हादसा

करंट की चपेट में आकर झुलसे 14 बच्चे, 3 की हालत गंभीर

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में एक मांगलिक कार्यक्रम के दौरान 14 बच्चों को करंट का तेज झटका लगा जिससे वो झुलस गए. करंट लगने के बाद आनन फानन में सभी बच्चों को सीएचसी शिवपुरा पहुंचाया गया. जहां 3 बच्चो को डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया. घटना के बाद से मौके पर पुलिस, बिजली विभाग और प्रसाशन स्तर के अधिकारी मौजूद हैं.

बिजली की लाइन में कटिया डाला गया मामला बलरामपुर जिले थाना हर्रैया क्षेत्र का है. यहां के उदईपुर गांव के मजरा मजगवां के रहने वाले अर्जुन प्रसाद वर्मा के लड़के की बराहवीं (बरही) संस्कार का कार्यक्रम चल रहा था. कार्यक्रम में प्रोजेक्टर पर वीडियो भी चलाया जा रहा था. बताया जा रहा है कि सुबह 4 बजे जनरेटर बंद कर बिजली की लाइन में कटिया डाला गया था, जिसमें शॉट शर्किट के चलते हाईटेंशन लाइन की सप्लाई आ गई.

झुलस गए 14 बच्चे-

हाईटेंशन लाइन ने प्रोजेक्टर सहित टेंट को भी अपनी चपेट में ले लिया. इस दौरान टेंट के पास मौजूद 14 बच्चों को एक साथ करंट का तेज झटका लगा, जिससे वो झुलस गए. किसी तरह तार हटाकर लाइन को कट किया गया. जिसके बाद सभी बच्चों को सीएचसी शिवपुरा पहुंचाया गया. डॉक्टरों ने 3 बच्चों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया है.

किसान जागरुकता के लिए जनसहयोग से शुरू हुए कृषि रथ

कृषि मंत्री कमल पटेल ने कलेक्टर कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हरदा। हरदा जिले में किसान जागरुकता के लिए जनसहयोग से तीन कृषि रथ आरंभ किए गए हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कमल पटेल ने इन रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कमल पटेल ने इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसानों के लिए यह रथ उपयोगी साबित होंगे। हरदा के कलेक्टर कार्यालय से कृषि मंत्री कमल पटेल ने कृषि रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ प्रत्येक ब्लॉक के गांव - गांव जाकर किसान पंचायत करेंगे और किसानों को फसल चक्र और खाद. बीज और मिट्टी की जानकारी देंगे। कमल पटेल ने कहा कि इन रथों के माध्यम से किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जाएगा। कमल पटेल ने कहा कि खेती में रासायनिक खाद के प्रयोग से वातावरण जहरीला हो रहा है, भावी पीढ़ी को इस खतरे से बचाने के लिए जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कमल पटेल ने कहा कि इन रथों को कृषि विभाग ने पूर्णतः जनसहयोग से आरंभ किया है, इसमें शासन का एक रुपये भी खर्च नहीं हुआ है। किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यह

गुरूवार को 4 हजार क्विंटल हुई कपास की आवक

खरगौन । स्थानीय कपास मंडी में गुरूवार को 4 हजार क्विंटल कपास की आवक हुई है। मंडी सचिव श्री रामवीर किरार ने बताया कि गुरूवार को मंडी में 195 वाहन व 82 बैलगाड़ी आई। इस दौरान कुल 4 हजार क्विंटल कपास की आवक हुई। गुरूवार को कपास का अधिकतम भाव 5105 रहा। जबकि न्यूनतम भाव 3100 व औसत भाव 4500 रहा।

कोरोना के नाम पर स्वास्थ्य विभाग का गड़बड़झाला खाली मकान की पहरेदारी कर रहे हैं शिक्षक

पॉजिटिव महिला को बगैर जांच के 12 दिन में बता दिया नेगेटिव

शंभू करौंजीया

पूरा देश जहां कोरोना संक्रमण से जूझ रहा है और इस बीमारी के कारण काफी लोग प्रभावित हैं इस बात का ध्यान रखते हुए शासन भी चौकन्ना होकर पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं किंतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई जगह गड़बड़ झाले किए जा रहे हैं ऐसा ही मामला सिराली तहसील अंतर्गत ग्राम रिछारिया में सामने आया है जहां पर बिना जांच के ही पॉजिटिव महिला को नेगेटिव बताया गया है

हरदा। जिले की सिराली तहसील के अंतर्गत ग्राम रिछडिया निवासी महिला जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से ही बगैर कहीं भर्ती हुए या इलाज कराएं बिना ही अपने निवास से कहीं अन्यत्र चले जाने के बाद विगत 27 सितंबर को महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई और प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा उक्त महिला के घर के बाहर कंटेनमेंट जोन बना दिया गया। घर के बाहर पिछले करीब 12 दिन से तीन शिफ्ट में 6 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई मगर उक्त महिला का तभी से कोई पता नहीं है। यही नहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर महिला के निवास पर जाकर उसके निवास स्थान से नदारद रहने का पंचनामा तक बनाया गया इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा कारनामा करते हुए 12 दिनों के बाद उक्त महिला को कोरोना नेगेटिव बता दिया। अब सवाल यह है कि महिला का सैंपल पॉजिटिव आने के बाद जब वह 12 दिनों से लापता है तब स्वास्थ्य विभाग ने किस आधार पर उसे नेगेटिव बताया। कंटेनमेंट स्थल पर ग्राम पंचायत राजस्व तहसील स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारी मैदानी तौर पर अपनी ड्यूटी निभा रहे जबकि महिला का घर पिछले 12 दिनों से खाली पड़ा है। इस बात की पुष्टि कर्मचारियों और ग्रामीणों के द्वारा बनाए गए पंचनामे से भी होती है तो फिर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किस आधार पर उक्त महिला की रिपोर्ट 12 दिनों के बाद नेगेटिव बताई गई यह खोज का विषय है

पंचायत द्वारा नहीं दी कोई सुविधा- ग्राम मैं कंटेनमेंट एरिया बनाया गया है जहां विगत 12 दिनों से 6 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है किंतु उपस्थित शिक्षकों ने बताया कि पंचायत द्वारा यहां पर कुर्सी और टेबल के अलावा और कोई अन्य सुविधाएं मुहैया नहीं कराई गई है यह क्षेत्र वनांचल में आता है और यहां पर किसी प्रकार की सुविधा नहीं है इसके बावजूद भी पंचायत द्वारा लापरवाही बरतते हुए कोई सुविधा मुहैया नहीं कराई गई हमारे द्वारा खाली मकान की पहरेदारी की जा रही है और हमारी यहां ड्यूटी लगाए जाने के कारण स्कूलों के कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं किंतु शासन के आदेश होने के कारण हम खाली मकान की पहरेदारी में लगे हुए हैं

इनका कहना-इस संबंध में हरदा सीएमएचओ किशोर नागवंशी से संपर्क करना चाहा किंतु उनके द्वारा मोबाइल रिसीव नहीं किया गया

कोरोना पॉजिटिव होने के बाद से ही महिला एवं उसका परिवार यहां पर नहीं है वे कहीं अन्यत्र स्थान पर चले गए हैं।

जमीन बेचने के नाम पर 6.75 लाख रुपये की धोखाधड़ी

रतलाम। महिला व उसके बेटे द्वारा जमीन बेचने के नाम पर एक व्यक्ति के साथ 6.75 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। दोनों ने पहले जमीन बेचने का सौदा किया और बाद में दूसरे व्यक्ति को बेचकर रजिस्ट्री भी करा दी। स्टेशन रोड पुलिस ने आरोपित मां-बेटे के खिलाफ भादंवि की धारा 420 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी मोहम्मद उस्मान पुत्र अब्दुल अजीज शेख निवासी बापू नगर महावीर कॉलोनी ने पुलिस में शिकायत की थी कि आरोपित कमलाबाई पुत्र स्वर्गीय रघुनाथ मकवाना निवासी डीजल शेड रोड और उसके पुत्र धर्मेंद्र उर्फ धर्मराज ने उज्जैन जिले की खाचरौद तहसील के ग्राम राजपुर रायती स्थित तीन सर्वे क्रमांक की कुल 1.26 हेक्टेयर कृषि भूमि 6.75 लाख रुपये में बेचने का सौदा किया था। 2 जून 2019 को नकद राशि देकर अन्य सहकृषकों से जमीन का सीमांकन कराकर 11 माह बाद रजिस्ट्री उनके पक्ष में कराने का अनुबंध किया गया था। समय पर रजिस्ट्री कराने का कहने पर आरोपित टालमटोल करने लगे। 5 अगस्त 2019 को आरोपित मां-बेटे ने कहा कि सहकृषकों के मध्य बंटवारा, सीमांकन नहीं हो पाया है। उसी दिनांक को समय बढ़ाने का कहकर रजिस्ट्री कराने के लिए 11 माह की अवधि अनुबंध-पत्र में बढ़वा ली। इसके बाद कई बार रजिस्ट्री कराने का कहने पर भी रजिस्ट्री नहीं कराई।

दूसरे को बेच दी-एक दिन जब उस्मान उक्त जमीन पर पहुंचा तो पता चला कि उक्त जमीन आरोपितों ने सिद्दीक शाह पुत्र बाबू शाह निवासी ग्राम राजपुर रायती को बेचकर 28 मई 2020 को उसके पक्ष में रजिस्ट्री भी करवा दी।

कृषि मंत्री कमल पटेल ने फिर दिया विवादित बयान

कहा चुनाव परिणाम के बाद सभी कांग्रेसी छिंदवाड़ा में बैंड बजाएंगे और ढोर चराएंगे

हरदा प्रतिनिधि

हरदा। चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही नेताओं के तीखे बोल लगातार जारी हैं। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों के नेता एक दूसरे के खिलाफ हमलावर बने हुए हैं। प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने आज फिर एक बार पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सहित उनके अन्य मंत्रियों को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव की सभी 28 सीटें भाजपा जीतेगी, इसके बाद कांग्रेस के सभी नेता कमलनाथ सहित सभी नेता छिंदवाड़ा जाकर ढोर चराएंगे और बैंड बजाएंगे।

राहुल गांधी थूक कर चाटने वाले नेता

कृषि मंत्री श्री पटेल ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी थूक कर चाटने वाले नेता हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश चुनाव के दौरान उन्होंने सभाओं में वादा किया था की 10 दिनों के भीतर किसानों का कर्जा माफ कर दिया जाएगा, नहीं तो 11वे दिन सीएम बदल दिया जाएगा। परंतु 15 महीने के दौरान किसानों का 200000 तक का कर्जा माफ नहीं हुआ। इसके बाद भी राहुल गांधी ने अपने वादे के मुताबिक सीएम नहीं बदला परंतु ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सीएम को बदल डाला। कमलनाथ और उनके पुत्र कुएं के मेंढक

कृषि मंत्री श्री पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके सांसद पुत्र नकुल नाथ पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दोनों ही नेताओं की नेतागिरी छिंदवाड़ा तक ही सीमित है। जिस प्रकार कुएं का मेंढक रहता है ठीक उसी तरह यह दोनों पिता-पुत्र भी हैं।

पीसी शर्मा शकुनी मामा

कृषि मंत्री कमल पटेल ने पूर्व मंत्री पीसी शर्मा पर भी हमला बोला है। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को शकुनी मामा कहे जाने की बात पर जवाब देते हुए कहा कि पीसी शर्मा को खुद ही आईना देखकर निर्णय लेना चाहिए कि कौन शकुनी मामा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान प्रदेश के साढ़े सात करोड़ जनता की आंखों के तारे है।

जल उपयोगिता समिति की बैठक 12 अक्टूबर को

हरदा । जिला जल उपयोगिता समिति एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग हरदा ने जानकारी देते हुए बताया कि जल उपयोगिता समिति की बैठक 12 अक्टूबर 2020 को समय अपरान्ह 4.30 बजे से जिला पंचायत हरदा के सभागृह में आयोजित की गई है। बैठक में रबी सिंचाई वर्ष 2020-21 हेतु तवा बांयी तट मुख्य नहर में जल प्रवाह छोड़े जाने की तिथि एवं पानी की मांग का निर्धारण, रबी सिंचाई हेतु कृषि विभाग द्वारा की जा रही है।

आवेदन दे-देकर थके वार्डवासी लेकिन, मोहल्ले में नहीं बन सकी पक्की सड़क

श्योपुर। नपा क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 में सीसी रोड नहीं बनने से वार्डवासी पिछले 10 सालों से परेशान हैं। वह जिले के आला अधिकारियों को कई वार आवेदन देकर मामले की शिकायत कर चुके हैं लेकिन, नगरपालिका द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। खास बात यह है, कि इसी वार्ड में कई गलियां ऐसी भी हैं जहां बस्ती तक नहीं लेकिन, नपा ने वहां सीसी सड़क सिर्फ इसलिए बनवा दी, कि वहां पार्षद ने बीहड़ों को समतल करके अवैध रुप से प्लाटिंग की है।

गौरतलब है, कि वार्ड क्रं. 14 में पुराने शराब ठेके के सामने वाली गली में कश्मीर सिंह सचिव के मकान से विजयशंकर वैष्णव के मकान तक सीसी रोड बनवाए जाने की मांग वार्डवासियों द्वारा कई वर्षों से की जा रही है। लेकिन, नगरपालिका ने अभी तक सीसी रोड नहीं बनाया है। इसके लिए वह कई बार शिकायत भी कर चुके हैं लेकिन, अधिकारियों के द्वारा सुनवाई नहीं की जा रही है। इससे बारिश के दिनों में ऐसी स्थिति हो जाती है, कि लोगों को घुटने-घुटने कीचड़ से होकर निकलना पड़ता है। इस गली से 200 से 300 घरों की आबादी है लेकिन, फिर भी सड़क नहीं बनाई जा सकी है। जिससे वार्डवासियों को ही नहीं बल्कि, हनुमान जी मंदिर पर दर्शन करने के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों ने नवागत सीएमओ मिनी अग्रवाल से इस और ध्यान देकर शीघ्र रोड बनवाए जाने की मांग की है। मांग करने वालों में विजयशंकर वैष्णव, असलम खान, कमलेश बैरागी, राजू वैष्ण, परमानंद, मानसिंह मीणा, रामरूप, शंकर आदि के नाम शामिल है।

दो अध्यक्षों का बदला कार्यकाल

वार्डवासियों का कहना है, कि वह नगरपालिका अध्यक्ष रहीं मीरा गर्ग के समय से रोड की मांग कर रहे हैं लेकिन, उनके बाद दौलतराम गुप्ता के नपा अध्यक्ष बनने के बाद भी यह सड़क नहीं बनाई जा सकी, अब उनका भी कार्यकाल खत्म हो गया और नई परिषद के चुनावों का शंखनाद होने की तैयारी है फिर भी उनकी सुध कोई नहीं ले रहा है। वार्डवासियों की माने तो नगरीय निकाय चुनाव के समय वोट मांगने आए दौलतराम गुप्ता को सिर्फ सीसी रोड बनवाने की मांग की थी। चुनाव के समय उन्होंने रोड बनवाने का वादा भी किया लेकिन, चुनाव जीतने के बाद उनका पूरा कार्यकाल निकल गया पर उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

नपा के अफसर और जनप्रतिनिधियों पर लग रहे भेदभाव के आरोप

लंबे समय से मांग किए जाने के बाद भी मोहल्ले में सीसी सड़क नहीं बन पाने से नाराज वार्डवासियों ने नपा के अधिकारियों पर भेदभाव करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। उनकी माने तो प्रत्येक वार्ड में लाखों की लागत से सीसी सड़क बना दी गई है लेकिन, हमारी बस्ती में सीसी सड़क बनाने का नंबर अभी तक नहीं आ सका है। जिससे उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रह है। उधर नपा ने वार्ड पार्षद के इशारे पर उनके द्वारा अवैध रुप से काटे गए प्लॉटों के लिए सीसी सड़क का निर्माण हाथों हाथ करवा दिया है।

संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में मद्य निषेध समापन,अनेक नशा पीढ़ितों ने लिया नशे से मुक्ति का संकल्प

सीहोर। शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में गुरुवार को मद्य निषेध सप्ताह का समापन किया गया। इस मौके पर केन्द्र के राकेश शर्मा ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आकर हर साल लाखों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। अनुसंधानों से पता चला है कि 80 प्रतिशत से अधिक लोग बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू और शराब की लत से छूटने का प्रयास करते हैं, लेकिन कुछ ही इसमें सफल हो पाते हैं। इसके पीछे बड़ा कारण है कि वे अपनी इच्छा शक्ति को दृढ़ नहीं रख पाते और कुछ दिन बाद फिर उसी स्थिति में पहुंच जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान नशा पीढ़ितों को नशे से मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र के संस्थापक वीपी सिंह ने कहा कि आखिर कैसे युवा नशे के गिरफ्त में आ जाते हैं। इसके कई कारण हैं। डिप्रेशन की वजह से भी युवा नशे के लत में डूब जाते हैं। पारिवारिक स्थिति सही ना होना भी एक कारण साथ ही ऐसे युवाओं की कमी नहीं है जो सिर्फ फैशन या शो ऑफ के चक्कर में नशे या मादक पदार्थ का सेवन करने लगते हैं। कई बार फैशन की खातिर दोस्तों के उकसावे पर लिए गए ये मादक पदार्थ अक्सर जानलेवा होते हैं। कुछ बच्चे तो फेविकोल, तरल इरेजर, पेट्रोल कि गंध और स्वाद से आकर्षित होते हैं और कई बार कम उम्र के बच्चे आयोडेक्स, वोलिनी जैसी दवाओं को सूंघकर इसका आनंद उठाते हैं। कुछ मामलों में इन्हें ब्रेड पर लगाकर खाने के भी उदा हारण देखे गए हैं.मजाक-मजाक और जिज्ञासावश किये गए ये प्रयोग कब नशीली दवाओं को भी घेरे में ले लेते हैं, पता ही नहीं चलता फिर स्कूल-कॉलेजों या पास-पड़ोस में गलत संगति के दोस्तों के साथ ही गुटखा, सिगरेट, शराब, गांजा, भांग, अफीम और धूम्रपान सहित चरस, स्मैक, कोकिन, ब्राउन शुगर जैसे घातक मादक दवाओं के सेवन की ओर अपने आप कदम बढ़ जाते। इसके अलावा नशा मुक्ति केन्द्र के संचालक राहुल सिंह ने बताया कि नशा मानवता और के लिए विष है, इसके लिए हम लोगों को नशा मुक्ति का संकल्प लेना चाहिए और युवा पीढ़ी को नशे से मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान और जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान सेंटर इंचार्ज नटवर कुशवाहा, आनंद व्यास, अमित जैन, वीपी शर्मा, शिवनारायण विश्वकर्मा, दीनदयाल गुर्जर, रोहित चौधरी आदि शामिल थे।

केन्द्र और प्रदेश सरकार का किसान कांग्रेस करेगी गांव-गांव चौराहे-तिरोह पर करेगी विरोध

किसान कांग्रेस के नेतृत्व में पीएम और सीएम का पुतला दहन किया

सीहोर। केन्द्र और प्रदेश की सरकार किसानों और मजदूरों की विरोधी है। जिसका परिणाम पूरे देश में देखने को मिल रहा है। केंद्र की मोदी सरकार ने किसान और श्रमिक विरोधी बिल पारित कर देश के अन्नदाता व श्रमिकों के साथ छलावा किया है।

इसका परिणाम आगामी समय में किसान और श्रमिक दोनों के लिए नुकसानदायक रहेगा। उक्त विचार ग्राम निवारिया में किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुरेश ठाकुर ने कहे। उन्होंने कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ आगामी दिनों में गांव-गांव और चौराहे-तिराहे पर मोदी और शिवराज का पुतला दहन कर विरोध प्रकट किया जाएगा। गुरुवार को इसकी शुरूआत ग्राम निवारिया से की गई। आगामी दिनों दोराहा, श्यामपुर और आष्टा आदि क्षेत्र में भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर मौजूद पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष राजेश भूरा यादव ने कहाकि आज देश में निजीकरण और कमजोर नेतृत्व के कारण बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना में उद्योगों की तालाबंदी के बाद इन बिलों से देश की अर्थव्यवस्था समाप्त करने का षड्यंत्र रचकर पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने का कार्य किया गया है। मोदी सरकार की मंशा ठीक होती तो न्यूनतम समर्थन मूल्य का प्रावधान बिलों में किया जाना चाहिए था। आवश्यक वस्तुओं के भंडारण के पुराने नियमों को लागू करना चाहिए, वरना उद्योगपति रोजमर्रा की आवश्यक चीजों का भंडारण कर मनमाने दामों में बेचेंगे और मंहगाई की मार आमजन पर आएगी।

उन्होंने कहा कि श्रमिक विरोधी बिल में उद्योगपतियों को असीमित अधिकार देकर श्रमिकों के अधिकारों का हनन किया गया है। वहीं संगठन के महामंत्री हरीश आर्य ने कहा कि केंद्र सरकार की आर्थिक-श्रम नीतियों से जहां उद्योग प्रबंधन श्रमिकों को कानून का डर बताकर मनमानी कर कार्यरत श्रमिकों से रोजगार छीनकर बेरोजगार कर रहे हैं, वहीं नए श्रमिक विरोधी कानून में श्रमिकों को उद्योगपतियों के विरोध में न्यायालय जाने के अधिकार समाप्त कर दिए गए हैं, जो संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार का स्पष्ट हनन हो रहा है।

जिले की 695.93 लाख रूपये की लागत से निर्मित 93 सड़कों का हुआ लोकार्पण

हरदा।कलेक्ट्रेट कार्यालय के एनआईसी कक्ष में वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम को देखा गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है हिमारा देश गांव में बसता है। अधोसंरचना क्षेत्र में कार्य से आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा और वर्तमान दिक्कतों को दूर किया जा सकेगा। विशेषकर सड़कों का जाल बिछाने से विकास की राह आसान हो रही है। श्री चौहान ने आज मिंटो हॉल में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा निर्मित लगभग 13 हजार ग्रामीण सड़कों का वर्चुअल लोकार्पणकिया। ल कार्यक्रम में हरदा जिले की वित?तीय वर्ष 2020-21 में पूर्ण 695.93 लाख रूपये की लागत से निर्मित कुल 93 सड़कों का लोकार्पण किया गया।

विचार

आखिर मिली जमानत

ड्रग्स मामले में करीब एक महीना जेल में बिताने के बाद ऐक्ट्रेस रिया च वर्ती को आखिर बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। बॉलिवुड ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमय मौत ने न केवल ऐक्टर के मित्रों-परिजनों और उनके लाखों प्रशंसकों को बल्कि दो राज्यों की पुलिस और सरकार के साथ-साथ कई केंद्रीय एजेंसियों को भी लंबे समय तक उलझाए रखा है। सुशांत के रूप में एक प्रतिभाशाली अभिनेता का असमय जाना निश्चय ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण था लेकिन इस घटना के बाद विभिन्न तबकों से जिस तरह की प्रति याएं आनी शुरू हुईं और फिर घटना म जैसा बनता गया, उस पर बाद में ठहरकर सोच-विचार करना होगा। फिलहाल यहां इतना ही कहा जा सकता है कि इस पूरे प्रकरण में जिस तरह सारा ध्यान एक व्यक्ति पर केंद्रित हो गया, उससे एक गलत परंपरा की शुरुआत हो सकती है। अभी काफी हद तक स्पष्ट हो गया है कि सुशांत सिंह राजपूत के साथ लगभग एक साल से लिव-इन में रह रहीं उनकी गर्लफ्रेंड रिया च वर्ती पर कुछ ऐसे आरोप भी लगाए गए जिनका कोई ठोस सबूत अभी तक नहीं मिल पाया है। हत्या और पैसे की हेराफेरी के आरोपों की जांच के म में कुछ पुराने वॉट्सऐप चैट्स के जरिए उन पर ड्रग्स खरीदने में प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका निभाने के नए आरोप लगे, जिनमें उनकी गिरफ्तारी हुई और जमानत न मिलने की वजह से एक महीना जेल में रहना पड़ा। ड्रग्स से जुड़े मामलों में कई हाईकोर्ट अतीत में यह व्यवस्था दे चुके हैं कि अगर जब्त नशीले पदार्थों की मात्रा ज्यादा न हो और व्यावसायिक इस्तेमाल का मकसद न पुष्ट हो रहा हो तो जमानत दे दी जानी चाहिए। एक पखवाड़ा भी नहीं हुआ जब स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट ने मुंबई में ही कथित तौर पर नशे के कारोबार से जुड़े तीन लोगों को इस आधार पर जमानत दे दी कि उनके पास से बरामद माल की मात्रा मध्यम (इंटरमीडिएट) थी। लेकिन रिया च वर्ती के पास से तो ड्रग्स की कोई भी मात्रा बरामद नहीं हुई थी। बावजूद इसके उनके खिलाफ कानून की इतनी कड़ी धाराएं लगाई गईं कि निचली अदालतों के लिए जमानत देना मुश्किल हो गया। आम धारणा यही है कि जिन मामलों में अपराध गंभीर न हो और सबूतों से छेड़छाड़ का डर न हो, उनमें जमानत देने पर उदारता से विचार होना चाहिए। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिया को जमानत देकर इस मामले में अच्छी मिसाल पेश की है। जमानत के साथ कुछ महत्वपूर्ण शर्तें जोड़कर हाईकोर्ट ने इस आशंका को लगभग समाप्त कर दिया है कि बाहर आने के बाद रिया गवाहों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि इसके बावजूद एनसीबी ने संकेत दिया है कि इस फैसले के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगा। बेशक उसे ऐसा करने का अधिकार है, लेकिन एक जिम्मेदार सरकारी एजेंसी को अपने कार्यों से समाज में ऐसा कोई संदेश नहीं जाने देना चाहिए कि वह किसी खास व्यक्ति के पीछे पड़ी हुई है।

अमेरिकी चुनाव

अमेरिकी उपराष्ट्रपति पद भी बेहद अहम

अमेरिकी संविधान ने उपराष्ट्रपति के लिए दो भूमिकाएं तय की हैं - उपराष्ट्रपति अमेरिकी सिनेट का प्रमुख होता है और वोटिंग में टाई की स्थिति होने पर उसका वोट टाई-ब्रेकर होता है. और दूसरी भूमिका ये कि जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति पद का पहला उत्तराधिकारी होता है.

इस बार के अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडन के साथ उपराष्ट्रपति पद के लिए मैदान में उतरीं भारतीय मूल की कमला हैरिस को लेकर भारत में काफी उत्सुकता है. लेकिन उनके इस चुनाव में उतरने की क्या है अहमियत? वो क्या कर पाएंगी एक उपराष्ट्रपति के तौर पर अगर वो चुनी जाती हैं? क्या ज़िम्मेदारियां या ताकत होगी उनके पास? उपराष्ट्रपति पद के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों और मौजूदा स्थिति के बारे में हमने बात की जोएल सी इम्मेल से जो सेंट लुई युनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ में प्रोफेसर ऑफ लॉ एमिरेटस हैं. प्रोफेसर इम्मेल के मुताबिक अमेरिकी संविधान ने उपराष्ट्रपति के लिए दो भूमिकाएं तय की हैं - उपराष्ट्रपति अमेरिकी सिनेट का प्रमुख होता है और वोटिंग में टाई की स्थिति होने पर उसका वोट टाई-ब्रेकर होता है. और दूसरी भूमिका ये कि जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति पद का पहला उत्तराधिकारी होता है. अधिकतर 19वीं सदी और आधी 20वीं सदी तक उपराष्ट्रपति की सिनेट के बाहर कोई भूमिका नहीं होती थी. पार्टी उन्हें चुनती थी और कई बार उनकी राय राष्ट्रपति से मिलती नहीं थी. उनके ना कोई खास योग्यता होती थी ना नामी गिरामी होते थे. लेकिन ये हालात तब बदलने शुरू ये हालात भी इसलिए बदले क्योंकि उस वक्त दुनिया में काफी कुछ बदला. अमेरिका में न्यू डील यानी आर्थिक पुनरुत्थान की कोशिशें, दूसरे विश्व युद्ध के बाद राष्ट्रीय सरकार सबसे अहम हो गई. ये वक्त शीत युद्ध का भी था और रूस को टक्कर देने के लिए उपराष्ट्रपति पद पर एक ऐसे शख्स का होना जरूरी था जो एटॉमिक एज में देश का पक्ष दूसरे देशों के सामने रख सके, जिसे इन विषयों की जानकारी हो और जिसकी इज्ज़त हो. राष्ट्रपति ड्वाइट सी आइजनहावर निक्सन को दूत के तौर पर अंतरराष्ट्रीय दौरों पर भेजा करते थे, निक्सन सुरक्षा बैठकों में शामिल होते थे, कमेटियों के प्रमुख होते थे. निक्सन के दौर में उपराष्ट्रपति पद राष्ट्रपति पद के लिए सबसे अहम शुरुआत बन गया।

चीन की वजह से बर्मा के नज़दीक जा रहा है भारत?

भारत और बर्मा यानी म्यांमार पर पहले ब्रिटिश राज था. बौद्ध धर्म भारत से ही बर्मा में गया है और मुग़लों के आख़िरी बादशाह बहादुर शाह ज़फर के आख़िरी दिन उसी देश में गुज़रे थे और उनकी क़ब्र भी वहीं है. बर्मा में आठ नवंबर को आम चुनाव हैं. हो सकता है कि भारत से दोस्ती बढ़ाने का काम चुनाव तक ही जारी रहे. कुछ विशेषज्ञ ऐसा ही मानते हैं. वो कहते हैं, ÷चुनाव के बाद बर्मा एक बार फिर से चीन की गोद में जा गिरेगा. फिलहाल रोहिंग्या के मुद्दे को लेकर बर्मा से दुनिया के कई देश नाराज़ हैं, जिसके कारण उसकी निर्भरता चीन पर बढ़ी है. और अब जब भारत ने एक नई पहल की है तो इसका बर्मा ने स्वागत किया है.

क्या बर्मा और भारत एक दूसरे के क़रीब आ रहे हैं? सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे और विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला 4-5 अक्तूबर को बर्मा के दौरे पर थे. क्या ये इस बात का संकेत है कि दोनों पड़ोसी एक दूसरे के नज़दीक आ रहे हैं? दोनों देशों के रिश्तों में गर्मजोशी नज़र आ रही है? बर्मा में भारत के पूर्व राजदूत राजीव भाटिया ने बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ÷मैं समझता हूँ कि इस दौरे का एक विशेष महत्व है. निस्संदेह इस यात्रा से दोनों देशों के संबंध और ज़्यादा मज़बूत होंगे. महत्वपूर्ण ये बात भी है कि भारत ने पहली बार विदेश सचिव और सेना प्रमुख को एक साथ बर्मा भेजा. इसकी वजह बताते हुए राजीव भाटिया कहते हैं, ÷इसके दो कारण हैं. पहला ये कि वहाँ सत्ता बँटी हुई है, थोड़ी चुनी हुई सरकार के हाथों में है और थोड़ी सेना के हाथों में. वहाँ दो लीडर हैं, एक कमांडर इन चीफ़ और एक स्टेट काउंसलर आंग सान सू ची हैं.' तो इसलिए भारत सरकार चाहती थी कि बर्मा सरकार के दोनों अंगों के नेताओं से मिला जाए. और दूसरा भारत की सेना और उसकी लीडरशिप के प्रति म्यांमार में बहुत सम्मान है. तो इसलिए ये समझा गया कि दोनों के जाने से एक अच्छा असर पड़ेगा. शायद इसीलिए बर्मा के साथ कुल तीन औपचारिक बैठकों में से दो में केवल सेना प्रमुख शामिल थे.

भारत के लिए क्षेत्र में सुरक्षा एक गंभीर चिंता का विषय है और इसके तार भी चीन से जुड़े हैं. वो इस तरह कि चीन के प्रांत युन्नान से शुरू होकर 1700 किलोमीटर लंबा आर्थिक कॉरिडोर बर्मा के दक्षिण-पश्चिमी इलाक़े तक आकर ख़त्म होता है, जो बंगाल की खाड़ी से लगा इलाक़ा है. इसका मतलब ये है कि सैद्धांतिक रूप से चीन की पहुँच बंगाल की खाड़ी तक आसानी से हो सकती है. ये आर्थिक कॉरिडोर, जिसमें चीन ने अरबों रुपए का निवेश कर रखा है, उसी तरह का कॉरिडोर है, जो भारत के पश्चिम में चीन और पकिस्तान को जोड़ता है. पाकिस्तान और बर्मा वाले आर्थिक कॉरिडोर चीन की ÷बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव÷ का हिस्सा हैं, जो चीन को दुनिया से जोड़ते हैं. इसमें चीन ने अब तक अरबों डॉलर खर्च किया है. चीन ने बांग्लादेश के रास्ते भारत के साथ भी इसी तरह के आर्थिक कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा था, जिसे भारत ने मंजूर नहीं किया. इस आर्थिक कॉरिडोर का मक़सद व्यापार बताया जाता है. इसमें सैन्य एंगल नहीं है. लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार एक तरह से देखा जाए तो चीन ने भारत की पश्चिमी और पूर्वी सीमाओं पर अपनी मौजूदगी बना ली है. 2017 में उत्तर में डोकलाम में और इस साल मई से लद्दाख में भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव है. उत्तर में नेपाल के अंदर भी चीन की लंबी पहुँच है.

राजीव भाटिया मानते हैं कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारत के लिए ये एक चिंता का विषय है. शायद इसीलिए पिछले कुछ सालों में मोदी सरकार की ऊर्जा बर्मा के साथ संबंध को मज़बूत करने में लगाई जा रही है.साल 2014 से अब तक भारत और बर्मा के नेताओं की सात आपसी यात्राएँ हो चुकी हैं, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी की बर्मा की दो और आंग सान सू ची की भारत की दो यात्राएँ शामिल हैं. भारत सालों से अफ़ग़ानिस्तान, भूटान, श्रीलंका, नेपाल और मालदीव की आर्थिक सहायता करता आया है. इन देशों के बुनियादी ढाँचों के प्रोजेक्ट्स भारत ने पूरे किए हैं और कई पर काम चल रहा है.महामारी के दौरान भी भारत ने इन देशों की दवाओं और मेडिकल किट से मदद की है. बर्मा में भी भारत के कई प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं और महामारी से लड़ने के लिए भारत मदद भी कर रहा है. लेकिन इसके बावजूद अब भी बर्मा का झुकाव चीन की तरफ़ अधिक है. दूसरे शब्दों में बर्मा चीन से भारत के मुक़ाबले में काफ़ी नज़दीक है. चीन बर्मा में दशकों से काम कर रहा है.

इनमें घनिष्ठता उस समय बढ़ी, जब चीनी राष्ट्रपति इस साल जनवरी में बर्मा गए. राजीव भाटिया स्वीकार करते हैं कि जहाँ तक आर्थिक सहायता का सवाल है, चीन का मुक़ाबला भारत नहीं कर सकता.वो कहते हैं, ÷पिछले पाँच सालों में हालात बदले हैं, ख़ास तौर से जब से 2016 में आंग सान सू ची चुनाव जीत कर आई हैं. बर्मा में चीन का अस्तित्व काफ़ी बढ़ गया है. उसका सबसे बड़ा उदाहरण ये है कि इस साल जनवरी में चीन के राष्ट्रपति जब बर्मा गए थे, तो दोनों देशों के बीच 33 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए.÷

कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि बर्मा में आम सोच ये है कि भारत और चीन उन्हें आकर्षित करने के लिए मुक़ाबला करते रहें, तो फ़ायदा बर्मा को ही होगा. इसलिए दोनों में संतुलन बनाने पर उनका ज़ोर होता है.

उधर इस सच से भी मुँह नहीं मोड़ा जा सकता कि 1980 और 1990 के दशकों में भारत ने बर्मा के साथ क़रीबी रिश्ते बनाए रखने पर ज़ोर नहीं दिया और उसका मुख्य कारण था बर्मा में सैनिक शासन की स्थापना और लोकतंत्र का ख़त्म होना. भारत में लोकतंत्र फल-फूल रहा था, तो ज़ाहिर है इसने उस समय ग़ैर-लोकतांत्रिक सरकारों से दूरी बनाए रखी. बदलाव आया जब अटल बिहार वाजपेयी भारत के प्रधानमंत्री बने. राजीव भाटिया बर्मा में भारत के राजदूत रहने के अलावा दोनों देशों के रिश्तों पर किताब भी लिख चुके हैं. वो इतने मायूस नहीं हैं. उनका कहना है कि सॉफ़्ट पावर में भारत अब भी चीन से आगे है.

भारत और बर्मा यानी म्यांमार पर पहले ब्रिटिश राज था. बौद्ध धर्म भारत से ही बर्मा में गया है और मुग़लों के आख़िरी बादशाह बहादुर शाह ज़फर के आख़िरी दिन उसी देश में गुज़रे थे और उनकी क़ब्र भी वहीं है. बर्मा में आठ नवंबर को आम चुनाव हैं. हो सकता है कि भारत से दोस्ती बढ़ाने का काम चुनाव तक ही जारी रहे. कुछ विशेषज्ञ ऐसा ही मानते हैं. वो कहते हैं, ÷चुनाव के बाद बर्मा एक बार फिर से चीन की गोद में जा गिरेगा. फिलहाल रोहिंग्या के मुद्दे को लेकर बर्मा से दुनिया के कई देश नाराज़ हैं, जिसके कारण उसकी निर्भरता चीन पर बढ़ी है. और अब जब भारत ने एक नई पहल की है तो इसका बर्मा ने स्वागत किया है.

हाथरसः उप्र में बड़ी घटनाओं के पीछे 'अंतरराष्ट्रीय साज़िश' कैसे आ जाती है?

उत्तर प्रदेश के हाथरस में दलित युवती के साथ हुए कथित बलात्कार और फिर हत्या के मामले में पीड़ित युवती के परिजन जहां न्यायिक जांच की मांग पर अड़े हैं वहीं पुलिस अब इस घटना को %इतना तूल% देने के पीछे अंतरराष्ट्रीय साज़िश की बात कह रही है. उत्तर प्रदेश पुलिस का आरोप है कि राज्य में जातीय और सांप्रदायिक दंगे कराने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बदनाम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय साज़िश रची गई थी. हाथरस के चंदपा थाने में इस संबंध में तीन दिन पहले एक नई एफ़आईआर दर्ज की गई जिसमें कुछ अज्ञात व्यक्तियों के ख़िलाफ़ राजद्रोह जैसी धाराएं लगाई गई हैं. बुधवार को इस मामले में चार लोगों को मथुरा से गिरफ़्तार भी किया गया जिनमें मलयालम भाषा के एक पत्रकार भी शामिल हैं. हाथरस मामले में कथित अंतरराष्ट्रीय साज़िश के संबंध में उत्तर प्रदेश पुलिस ने राज्य भर में कम से कम 19 एफआईआर दर्ज की हैं और मुख्य एफ़आईआर में क़रीब 400 लोगों के ख़िलाफ़ राजद्रोह, षडयंत्र, राज्य में शांति भंग करने का प्रयास और धार्मिक नफ़रत को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए गए हैं. प्रवर्तन निदेशालय के हवाले से मीडिया में ये ख़बरें भी चल रही हैं कि हाथरस की इस घटना को जातीय और सांप्रदायिक दंगों में बदलने के लिए मॉरीशस के ज़रिए क़रीब 100 करोड़ रुपये की फ़ंडिंग भी हुई है. हालांकि इसके न तो पुख़्ता सबूत मिले हैं और न ही आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि हुई है.

पुलिस जिस संगठन पर शक़ ज़ाहिर कर रही है उसका नाम पीएफ़आई यानी पॉपुलर फ़्रंट ऑफ़ इंडिया है और गिरफ़्तार किए गए लोगों के भी इस संगठन से संपर्क बताए जा रहे हैं. राज्य सरकार ने इससे पहले नागरिकता संशोधन क़ानून के ख़िलाफ़ इस साल दिसंबर में हुए प्रदर्शनों और इस दौरान हुई हिंसा के लिए भी पीएफ़आई को ही ज़िम्मेदार ठहराया था. उस दौरान 100 से भी ज़्यादा पीएफ़आई सदस्यों को गिरफ़्तार किया गया था और मुख्यमंत्री ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी. यूपी में इससे पहले भी कुछ घटनाएं ऐसी हो चुकी हैं जिनके तूल पकड़ने के बाद उनके %अंतरराष्ट्रीय तार% जोड़ने की कोशिश की गई. स्थानीय घटनाओं में

अंतरराष्ट्रीय साज़िश की बात से हैरानी ज़रूर होती है लेकिन यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सूचना सलाहकार शलभमणि त्रिपाठी कहते हैं कि इस साज़िश में कुछ राजनीतिक दल और उनके नेता भी शामिल हैं. शलभमणि त्रिपाठी के मुताबिक, राज्य सरकार ने दंगाई मानसिकता के लोगों के ख़िलाफ़ जो कार्रवाइयां की हैं, उससे ऐसे संगठनों में बौखलाहट है. उपद्रवियों के पोस्टर सरेआम चौराहों पर लगाए गए, उनकी संपत्तियां कुर्क करके सार्वजनिक नुकसान की वसूली भी की गई.

ऐसे में पीएफ़आई जैसे संगठनों ने योगी सरकार को बदनाम करने और प्रदेश में जातीय और सांप्रदायिक दंगे कराने की साज़िश रची. दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि कुछ राजनीतिक दल भी अराजकता की इस साज़िश में पीएफ़आई जैसे संगठनों के साथ खड़े दिख रहे हैं. नागरिकता संशोधन क़ानून के ख़िलाफ़ राज्य में कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए थे और उस दौरान लखनऊ, कानपुर, आज़मगढ़, फ़िरोज़ाबाद, मेरठ जैसे कई शहरों में हिंसा भड़क गई थी. इस हिंसा में कई लोगों की मौत हुई थी और सरकार की कार्रवाई पर सवाल भी उठे थे. सरकार ने प्रदर्शनों के आयोजन और उस दौरान हिंसा होने की घटना को भी अंतरराष्ट्रीय साज़िश बताया था. वरिष्ठ पत्रकार सिद्धार्थ कलहंस इन घटनाओं को अंतरराष्ट्रीय साज़िश की बजाय 'प्रशासनिक नाकामी को ढकने की कोशिश' मानते हैं. सिद्धार्थ कलहंस कहते हैं, ÷हाथरस में जो कुछ भी हुआ है वह प्रशासनिक नाकामी और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है. सुप्रीम कोर्ट में भी इस नाकामी को ढकने के जो तर्क दिए गए हैं वो बेसिर-पैर के हैं. चूंकि प्रशासनिक नाकामी आख़िरकार सरकार की ही नाकामी की तरह है, इसलिए उसे ढकने के लिए अब अंतरराष्ट्रीय साज़िश की ढ़ाल तैयार की जा रही है.÷ यूपी के डीजीपी रह चुके रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी डॉक्टर वीएन राय हाथरस जैसी घटनाओं के पीछे अंतरराष्ट्रीय साज़िश जैसी बात को सिरे से नकारते हैं.

बीबीसी से बातचीत में डॉक्टर वीएन राय कहते हैं, ÷इसमें कोई तथ्य नहीं हैं. सिर्फ़ गुमराह करने की कोशिश है. आप देखिएगा, दो-चार हफ़्ते के बाद ये सारी साज़िशें कहीं नहीं दिखेंगी. सब भूल जाएंगे. अंतरराष्ट्रीय साज़िश के जो प्रमाण दिए जा रहे हैं वो शुरुआती दौर में ही इतने खोखले हैं कि कोर्ट पहुंचने से पहले ही धराशायी हो जाएंगे.÷ लेकिन सवाल उठता है कि ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय साज़िश की बात कहने के पीछे क्या सच में लोगों को गुमराह करना या फिर %समय काटना% है या फिर इसके पीछे कुछ राजनीतिक नफ़े-नुक़सान का गणित भी काम करता है. इस सवाल के जवाब में सिद्धार्थ कलहंस कहते हैं, ÷निश्चित तौर पर लोगों का ध्यान तो बँटेगा ही. लोग अब एक नए एंगल की थ्योरी पर सोचना शुरू कर देंगे और उन्हें लगेगा कि हां, सच में ऐसा हो रहा है. दूसरे, अंतरराष्ट्रीय साज़िश में सीधे तौर पर इस्लामिक देशों का ज़िक्र किया जा रहा है तो ऐसी बातों में बीजेपी अपना फ़ायदा ही देखती हैं.%%

'विरोधी को तो वो अपने पक्ष में ला नहीं सकते हैं लेकिन जिन समर्थकों का विश्वास सरकार की कार्यशैली से उठने लगा है, ऐसी साज़िशों का ज़िक्र करके और कुछ के ख़िलाफ़ कार्रवाई करके, उनका विश्वास एक बार फिर जीतने की कोशिश तो हो ही सकती है.÷ ख़ुफ़िया एजेंसियों को ख़बर क्यों नहीं?

हालाँकि यदि अंतरराष्ट्रीय साज़िश की बात मान भी ली जाए, तो अहम सवाल यह भी उठता है कि इतनी बड़ी साज़िश हो रही थी तो पुलिस या ख़ुफ़िया एजेंसियों को पता क्यों नहीं चला? और उन्हें पहले ही रोकने की कोशिश क्यों नहीं हुई. सीएए के ख़िलाफ़ प्रदर्शन को भी अंतरराष्ट्रीय साज़िश से जोड़ा गया लेकिन न तो कोई पुख़्ता सबूत मिले और न ही किसी के ख़िलाफ़ अब तक कोई चार्ज शीट फ़ाइल की जा सकी है. शलभ मणि त्रिपाठी कहते हैं, ÷सीएए प्रदर्शन के दौरान भी पूरे देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश की गई, लेकिन सरकार की मुस्तैदी और ख़ुफ़िया तंत्र की सक्रियता के चलते पूरे प्रदेश में एक भी बेक़सूर व्यक्ति को इस उपद्रव से नुक़सान नहीं पहुंचा. शलभ मणि त्रिपाठी का दावा है कि सीएए प्रदर्शन के दौरान एक भी बेक़सूर व्यक्ति को नुक़सान नहीं हुआ लेकिन प्रदर्शन के दौरान कई लोगों की मौत पुलिस की गोली से हुईं और उससे जुड़े कई मुक़दमे अभी अदालत में लंबित हैं. जहां तक हाथरस की घटना का सवाल है, राज्य सरकार ने चार दिन पहले ही उसकी जांच सीबीआई को सौंपने की सिफ़ारिश की थी लेकिन उसकी स्वीकृति अब तक नहीं मिली है. दूसरी ओर, जांच का दायरा अब गैंगरेप और हत्या के अलावा अंतरराष्ट्रीय साज़िश के साथ-साथ युवती की मौत की अन्य वजहों की ओर भी मुड़ता दिख रहा है.

निराशा के घटाटोप में सोने के भंडार की चमक

(राकेश दुबे)

वैसे तो मार्च के बाद हर दिन उगने-डूबने वाला सूरज एक निराशा के साथ अस्ताचल को जाता था 7 आगे क्या होगा ? का सवालिया निशान अपना टेढ़ा मुंह खड़े खड़ा रहता था 7 इसी दौरान 25 सितंबर 2020 को रिजर्व बैंक के आंकड़ों से आई खबर ने राहत दी है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 542 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसमें 653 मीट्रिक टन सोने का भंडार भी शामिल है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम योगदान होता है। याद कीजिये, वर्ष1991 में जब चंद्रशेखर देश के प्रधानमंत्री थे, तब हमारे देश की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी। तब देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ने 47 टन सोना विदेशी बैंकों के पास गिरवी रख कर कर्ज लिया था।आज सोने के भंडार के मद्देनजर भारत दुनिया में 9 वें स्थान पर है और विदेशी मुद्रा भंडार की ऊंचाई भारत के लिए लाभप्रद दिखती है। इस यात्रा की शुरुआत भी वर्ष 1991 में नयी आर्थिक नीति से हुई, जिसका उद्देश्य वैश्वीकरण और निजीकरण को बढ़ाना रहा। इस नीति के पश्चात धीरे-धीरे देश के भुगतान संतुलन की स्थिति सुधरने लगी। वर्ष 1994 से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने लगा। 2002 के बाद इसने तेज गति पकड़ी। वर्ष 2004 में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 100 अरब डॉलर के पार पहुंचा। फिर इसमें लगातार वृद्धि होती गई और 5 जून, 2020 को विदेशी मुद्रा भंडार ने 501 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर को प्राप्त किया। 25 सितंबर 2020 को542 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच चुके विदेशी मुद्रा भंडार के और बढ़ने की संभावनाएं दिख रही हैं।भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के बढ़ने के अनेक कारण हैं। दुनिया भर के बड़े देशों के सेंट्रल बैंकों ने जिस तरह अपने विदेशी मुद्रा कोष में गोल्ड रिजर्व बढ़ाया है, उसी तरह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने भी वर्ष 2018 से गोल्ड रिजर्व तेजी से बढ़ाया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में गोल्ड रिजर्व करीब 653 मीट्रिक टन के स्तर पर है, पर खर्चों पर भी ध्यान जरूरी है भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों का 85 प्रतिशत आयात करता है और इस पर सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च होती है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में कमी विदेशी मुद्रा भंडार के लिए लाभप्रद रही है। देश में कोविड-19 के कारण मार्च2020 से लागू लॉकडाउन की वजह से जून 2020 तक पेट्रोल-डीजल की डिमांड कम हो गई थी, इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट ने भी विदेशी मुद्रा भंडार के व्यय में कमी की है। इसी तरह सोने के आयात में लगातार कमी से भी विदेशी मुद्रा के व्यय में कमी आई है। देश के आयात बिल में सोने के आयात का प्रमुख स्थान है। पिछले वित्त वर्ष 2019 -20 में सोने का आयात घटने से विदेशी मुद्रा की बड़ी बचत हुई है।

सरकार ने आयात घटाने और निर्यात बढ़ाने के भी कई कदम उठाए हैं। इससे देश के विदेश व्यापार घाटे की चुनौती में कमी आई है और विदेशी मुद्रा भंडार को लाभ हुआ है। खासतौर से चीन से आयात कम हुए हैं और चीन के साथ व्यापार घाटे में कमी आने से भी विदेशी मुद्रा भंडार लाभान्वित हुआ है। देश में लॉकडाउन के कारण विभिन्न वस्तुओं की मांग में गिरावट के चलते आयात भी काफी कम हुआ है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार से कम व्यय करना पड़ा है।

कोविड-19 के दुष्काल के बीच भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के इस ऊंचाई पर पहुंचने से भारत के लिए कई लाभ चमकते हुए दिखाई दे रहे हैं। कोविड-19 की अकल्पनीय आपदा से बेहतर ढंग से निपटने में विदेशी मुद्रा भंडार की प्रभावी भूमिका है। दुष्काल से निबटने में यह भंडार देश के काम आये सरकार को इस ओर गंभीरता से सोचना चाहिए।

आईडी हैक करके शिक्षिकाओं को अश्लील मैसेज करने वाला इंदौर से पकड़ाया

मिली सफलता

थाना प्रभारी मुकेश नारोलिया ने बताया कि छह माह पूर्व मुरार निवासी बेनल विल्सन ने शिकायत की थी कि किसी ने उनकी फेसबुक आईडी हैक कर ली है और साथी शिक्षिकाओं के साथ ही महिला मित्रों व रिश्तेदारों को आरोपी अश्लील मैसेज भेजकर परेशान कर रहा है।

» छह माह से साइबर सेल को गच्चा दे रहा था आरोपी

ग्वालियर

ग्वालियर। शहर के एक प्रतिष्ठित स्कूल के शिक्षक की फेसबुक आईडी हैक कर साथी शिक्षिकाओं तथा महिला मित्रों को अश्लील मैसेज करने वाले आरोपी को राज्य साइबर सेल की टीम ने इंदौर से दबोचा है। पकड़ा गया आरोपी पिछले छह माह से साइबर सेल को गच्चा दे रहा था। उसे पकड़ने के लिए साइबर सेल ने महिला पुलिसकर्मी की मदद से एक माह तक चेटिंग की और जैसे ही आरोपी मिलने आया, उसे दबोच लिया। साइबर सेल ने आरोपी को हिरासत में लेकर पड़ताल शुरू कर दी है कि उसने और कौन-कौन सी वारदातों को अंजाम दिया है।

एसपी राज्य साइबर सेल सुधीर अग्रवाल व थाना प्रभारी मुकेश नारोलिया ने बताया कि छह माह पूर्व मुरार निवासी बेनल विल्सन ने शिकायत की थी कि किसी ने उनकी फेसबुक आईडी हैक कर ली है और उनकी साथी शिक्षिकाओं के साथ ही महिला मित्रों व रिश्तेदारों को आरोपी अश्लील मैसेज भेजकर परेशान कर रहा है। इसका पता चलते ही साइबर सेल ने पड़ताल की तो पता चला कि

पुलिस की एक माह की मेहनत के बाद हाथ आया आरोपी

आरोपी के हाथ में ना आने पर थाना प्रभारी मुकेश नारोलिया ने एक महिला पुलिसकर्मी को तैयार किया और आरोपी के फेसबुक एकाउंट पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। महिला की फेसबुक आईडी से रिक्वेस्ट आते ही आरोपी ने उसे स्वीकार कर लिया और चेटिंग करने लगा। करीब एक माह चेटिंग करने के बाद जब आरोपी को विश्वास हो गया तो मिलने की बात तय हुई और जैसे ही आरोपी मिलने आया, साइबर सेल ने उसे दबोच लिया। पुलिस का कहना है कि करीब एक महीने से आरोपी को पकड़ने के लिए मेहनत की जा रही है। आरोपी पुलिस को बार-बार चकमा दे रहा था पर आखिर में पुलिस के हाथ आ ही गया।

आईडी हैक करने वाला आजाद नगर इंदौर का रहने वाला सलमान खान है। इसका पता चलते ही साइबर सेल इंदौर पहुंची तो आरोपी अपने घर पर नहीं मिला।

पड़ताल में पता चला है कि आरोपी ने आईडी हैक करना और पुलिस की पकड़ में ना आने के तरीके यू ट्यूब से सीखे हैं। इसीलिए पिछले छह माह से वह इधर-उधर रह कर राज्य साइबर सेल को चकमा दे रहा था। छह माह बीतने के बाद उसे लगने लगा था कि अब वह साइबर सेल की टीम के हाथ नहीं आएगी, इसीलिए वह झांसे में आ गया। अब साइबर सेल पूछताछ कर रही थी कि उसने शिक्षक के अलावा किस-किस की आईडी हैक कर वारदातों को अंजाम दिया है।

साइबर सेल टीम का आने का पता चलते ही सलमान इंदौर से फरार हो गया और पिछले छह माह से साइबर सेल की टीम उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थी, लेकिन वह फरार चल रहा था।

इन पुलिसकर्मियों की रही सराहनीय भूमिका

एसपी राज्य साइबर सेल सुधीर अग्रवाल ने बताया कि हैकर को पकड़ने में थाना प्रभारी मुकेश नारोलिया, एसआई शैलेन्द्र सिंह राठौर, प्रधान आरक्षक हरचरण शर्मा, आरक्षक सत्येन्द्र धाकड़, पुष्पेन्द्र जादौन, राधारमण त्रिपाठी, महेश पाराशर, महिला आरक्षक भूरो बाई की सराहनीय भूमिका रही।

सार.समाचार

जेवर समेत लायसेंसी रिवाल्वर ले गए चोर

ग्वालियर। शहर में चोर गैंग ने आतंक मचा रखा है। पिछले कई माह से चोरी की वारदातों ने पुलिस को परेशान किया है। इसके बाद भी पुलिस की रात्रि गश्त न होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं। चोरों ने हजीरा थाना क्षेत्र से मौके का फायदा उठाकर एक सूने घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और एक लायसेंसी रिवाल्वर चोरी कर ली। वारदात का पता अगले दिन सुबह चला। सूचना पर थाने के पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। माधवी नगर में बृजमोहन कुशवाह का निवास है। वे किसी काम से घर से परिवार समेत बाहर गए थे कि इसका फायदा चोरों ने उठाया। वह सूने मकान में घुसे और सोने-चांदी के जेवर और अलमारी में रखी एक 32 बोर की लायसेंसी रिवाल्वर को चोरी कर ले गए। सुबह घर की हालत देखकर परिजन दंग रह गए। पुलिस आसपास के घरों में लगे सीसीटीवी में चोर की सर्चिंग कर रही है।

एक शाम सदी के महानायक के नाम 11 को

ग्वालियर। गायक कलाकार मित्र समूह के सदस्यों द्वारा रविवार 11 अक्टूबर को अमिताभ बच्चन के जन्मदिवस पर संगीत निशा एक शाम सदी के महानायक के नाम का आयोजन किया गया है, होटल तानसेन रेसीडेंसी कलेक्टर बंगले के पास आयोजित इस संगीत निशा में सभी सदस्य अमिताभ बच्चन की फिल्मों के सोलो और डुएट गीतों की प्रस्तुति देंगे। लॉक डाउन पश्चात पहली बार कोई लाइव म्यूजिकल कार्यक्रम का आयोजन गायक कलाकार मित्र समूह द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान गायक कलाकार मित्र समूह के संस्थापक सदस्य और ग्वालियर के वरिष्ठ गायक कलाकार अतुल शर्मा का सम्मान किया जायेगा।

एयोन फाउंडेशन ने लगाया शिविर

ग्वालियर। फैमली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ग्वालियर शाखा द्वारा एयोन फाउंडेशन के अंतर्गत नया बाजार क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्र पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन संस्था के कार्यक्रम अधिकारी अखिलेन्द्र सिंह कुशवाह द्वारा किया गया उन्होंने संस्था की गतिविधियों एवं एयोन फाउंडेशन के अंतर्गत घरेलू महिला हिंसा यौन उत्पीड़न एवं महिला स्वास्थ्य पर विस्तारपूर्वक चर्चा की कार्यक्रम में संस्था की चिकित्सक डॉ अर्चना जैन उपस्थित थी जिन्होंने सभी का चेकअप किया परीक्षण कर उनको उचित परामर्श दिया संस्था की कार्यकर्ता श्रीमती गीता सूर्यवंशी उपस्थित रहीं जिन्होंने पोषण आहार पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की स्वेता गुप्ता रंगोली तोमर एवं एम एस डब्लू छात्र मोनिका सिंह का मुख्य योगदान रहा। शिविर के माध्यम से 130 लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए किया। कार्यक्रम संस्था की ब्रांच मैनेजर श्रीमती नीलम दीक्षित के मार्गदर्शन

पुलिस ने पकड़ा आईपीएल का सट्टा, 19 लाख रु. नकद जब्त

मौके से तीन आरोपियों गिरफ्तार किया, लैपटॉप, मोबाइल और डायरी मिली

ग्वालियर

हरीशंकरपुरम में क्राइम ब्रांच ने आईपीएल क्रिकेट मैच का सट्टा लगवा रहे तीन सटोरिए को पकड़ा है। सटोरिए से 19 लाख रुपए नकद मिले हैं पुलिस ने सटोरियों के खिलाफ सट्टा अधिनियम में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इनके कब्जे से 3 मोबाइल, एक लेपटॉप और डायरी मिली है। इन डायरी में सट्टे का हिसाब लिखा जा रहा था।

बुधवार सुबह एसपी अमित सांघी, एडीशनल एसपी सत्येन्द्र सिंह तोमर और डीएसपी अपराध राजेश तोमर ने एसपी ऑफिस में पत्रकार वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि हरीशंकरपुरम स्थित बी-21 एक घर में आईपीएल का सट्टा ऑनलाइन चल रहा है। यहां पर लाखों रुपए का खेल हो रहा है। सूचना को तस्दीक करने के लिए क्राइम ब्रांच की दो टीम हरीशंकरपुरम में बताए गए स्पॉट पर पहुंची। वहां घेराबंदी कर घर का दरवाजा खुलवाया गया तो अंदर क्रिकेट मैच पर सट्टे की बेट लग रही थी और फोन लगातार बज रहे थे। पुलिस ने यहां से रजत अग्रवाल निवासी पारसजी की बाड़ा, संदीप मित्तल निवासी इंदरगंज ओली और मोहित अग्रवाल मकान मालिक को पकड़ा है। वहीं 19 लाख रुपए की बड़ी रकम भी बरामद की

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपियों ने सट्टे की लिंक इंदौर से ली थी। बताया जाता है कि सभी आरोपी चोरी-छिपे सट्टा लगवा रहे थे। किसी को आवाज न सुनाई दे इसलिए दीवार पर मोटे पर्दे भी लगवा रखे थे। उक्त घर में भी कई लोगों का आना-जाना कुछ दिन से ज्यादा हो रहा था, ऐसा आसपास के लोगों ने पुलिस को बताया।

क्राइम ब्रांच ने रात को 11:50 पर घर पर दबिश दी तो एक कमरे में लेपटॉप पर आईपीएल क्रिकेट मैच चल रहा था। आरोपी में एक मुख्य फोन पर सट्टा लगवा रहा था। इसके पास से तीन मोबाइल समेत दो डायरी जब्त की गई हैं। इसके अलावा डायरी में लिखे हिसाब के अध्ययन के बाद कई फोन नंबर और लाखों रुपए के क्रिकेट सट्टे की बुकिंग का हिसाब-किताब मिला है। मोबाइल की कॉल डिटेल के आधार पर क्रिकेट सट्टे से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पूछताछ में पता चला है कि पकड़ा गया आरोपी मोहित सोना चांदी कारोबारी है और संदीप मित्तल का बिजली के सामान का होलसेल का कारोबार है और रजत छात्र है और उसके पिता व्यवसायी हैं।

जेयू में 17 शिक्षकों की भर्ती, 7 साल में नहीं हो पाई जांच

ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय में लगभग आठ साल पहले हुई प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्तियों में गड़बड़ी का मामला सात साल की जांच के बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा है। अब कोर्ट ने कहा है कि सीआईडी दो माह में जांच पूरी कर रिपोर्ट कोर्ट में जमा कराए। कोर्ट के आदेश के बाद जेयू में खलबली मची हुई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व कुलपति के कार्यकाल में बॉटनी, इकनॉमिक्स, लॉ, जूलॉजी जैसे विभागों में सत्रह शिक्षकों की नियुक्ति की गई थी। इसके बाद शिकायत हुई थी कि इन नियुक्तियों में गड़बड़ी हुई है, जिसमें कहा गया था कि जो अभ्यर्थी योग्यता नहीं रखते हैं उन्हें नियुक्त कर दिया गया है, जबकि योग्य अभ्यर्थियों को बाहर कर दिया गया है।

सात पहले नियुक्ति में हुई गड़बड़ी की शिकायत जीवाजी विश्वविद्यालय से की गई थी, लेकिन वहां पर जांच के नाम पर सिर्फ औपचारिकता की गई, जिसके बाद शिकायतकर्ता राजेन्द्र सिंह ने मामले की शिकायत सीआईडी व एसटीएफ में की, जिस पर सीआईडी ने मामले की जांच शुरू की, इस मामले में सीआईडी द्वारा मांगे जाने वाले दस्तावेज नहीं मिले, जिससे जांच आगे नहीं बढ़ रही। अब शिकायतकर्ता राजेन्द्र सिंह शिकायत लेकर न्यायालय पहुंचे और याचिका लगाई, अब न्यायालय ने दो माह में जांच पूरी करने के निर्देश सीआईडी को दिए हैं। न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद अब जांच में गति आ सकती है।

इन बिन्दुओं पर होगी जांच

नियुक्ति प्रक्रिया में अनुभव प्रमाण पत्रों में गड़बड़ी किए जाने की जांच हो सकती है, योग्यता पूरी ना होने की भी जांच हो सकती है, नियुक्तियों में आर्थिक भ्रष्टाचार की भी जांच हो सकती है। इस मामले में छात्र संगठनों ने जीवाजी विश्वविद्यालय प्रबंधन से निष्पक्ष जांच की मांग की थी। छात्र संगठनों का कहना था कि उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों की नियुक्तियों में गड़बड़ी है तो वे उन्हें क्या पढ़ाएंगे।

डॉ. सिकरवार ने किया घर-घर जनसम्पर्क

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. सतीश सिंह सिकरवार ने बुधवार को वार्ड 57 इंदरगंज क्षेत्र में घर घर जाकर जनसम्पर्क किया। बुधवार सुबह करीब 8 बजे सैकड़ों कार्यकर्ता सिकरवार के नेतृत्व में इंदरगंज थाना पर एकत्रित हुये और वहां से तलैया मोहल्ला, गप्पू लाल का बाड़ा, कारि साहब का बाड़ा एवं विभिन्न गलियों में जनसम्पर्क किया। क्षेत्र में जनता द्वारा जगह जगह डॉ. सिकरवार का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। डॉ. सिकरवार ने कहा वर्ष 2018 में झूठे वादे करके और जनता को गुमराह करके चुनाव जीत लिया और उसके बाद आज तक वो व्यक्ति आपके द्वार वापस नहीं आया है और अब वो वापस आ रहा है, फिर से आप सभी से झूठे वादे करने और जनमत मांगने।

कांग्रेसी प्रत्याशी शर्मा के समर्थन में नुक्कड़ सभा

ग्वालियर। 15 विधानसभा ग्वालियर कांग्रेस प्रत्याशी सुनील शर्मा के समर्थन में नुक्कड़ सभा का आयोजन मेंढे वाली सड़क मार्ग गावड़ में जनता ने उनका स्वागत किया जीत का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष आसिफ अली ने किया। मध्यप्रदेश में 15 महीने कमलनाथ सरकार ने जो उपलब्धि जो जनता के लिए काम किए हैं। कन्याओं को 51 हजार हर घर में बिजली का बिल 200 आम गरीब जनता कांग्रेस सरकार माननीय कमलनाथ की सरकार फिर दोबारा मध्यप्रदेश में पुनः वापसी होगी। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अख्तर हुसैन कुरैशी, मरण सिंह करारा, महामंत्री लतीफ खां मल्लू, हसन मोहम्मद कुरैशी, अनीस हुसैन, अशफाक खान, नवाब अली, सलमान खान आदि लोग उपस्थित रहे।

बीजेपी प्रत्याशी तोमर ने कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्रीय मतदाताओं से मांगे वोट

ग्वालियर

ग्वालियर 15 विधानसभा के वार्ड क्रमांक 11 में बुधवार को भाजपा प्रत्याशी प्रद्युम्न सिंह तोमर जनसंपर्क के लिए पहुंचे। यहां हर गली, मोहल्ले और कॉलोनी के घर के बाहर महिलाएं हाथों में पूजा की थाली सजाए हुए खड़ी मिलीं। यह महिलाएं पूजा की थाली के साथ बीजेपी प्रत्याशी प्रद्युम्न सिंह तोमर को अपने द्वार तक आने का इंतजार करती रहीं। जैसे ही जननेता श्री तोमर इन महिलाओं के द्वार पर पहुंचे तो उन्होंने आरती उतारी, माला पहनाई और विजयी होने का आशीर्वाद दिया।

यह जनसंपर्क नार शहर का नाका से शुरू हुआ। इसके बाद पेठा वाली गली, राम अवतार वैश्य की गली, आर्य समाज मंदिर, यादव मोहल्ला, खांडेराव मंदिर, खेत वाली गली, पुरानी पुलिस चौकी, किरार धर्म शाला, भैरो मंदिर, फांटा वाली गली, हलवाई, गुड्डू ठाकुर की गली, लाखन ठाकुर की गली, हलवाई खाना होते हुए मुकेश यादव की गली, पिंकल चैक होते हुए बनिया पाड़ा चौक से अशोक नैय्यर की गली, फूटा धर्मशाला, लालियावाड़ा, कॉम्प्लेक्स, गेन रोड होते हुए किरार प्लाजा से जेपी गुप्ता की गली तक, महावीरी चैक से हरिजन बस्ती, पुल गीरा पर, सहानी बिल्डिंग, वेद जी वाली गली, जादव मोहल्ला, अशोक व्यायामशाला वाली गली, मल्लू शिवहरे की गली, मंगल चर्चा, खारा कुआं, राम मंदिर कुशवाह मोहल्ला से सूरज नमकीन से बाजार होते हुए बजीरा चैराहा पर पहुंचे जहां जनसंपर्क का समापन किया गया। इस दौरान बीजेपी के वरिष्ठ नेता अशोक शर्मा, प्रमोद पांडेय, रामअवतार सिंह, अशोक नैय्यर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

व्यापारी के साथ हुई धोखाधड़ी, बिल्डर के खिलाफ मामला दर्ज

फर्जी वसीयत बना करोड़ों की जमीन हड़पी

ग्वालियर

फर्जी वसीयत बनाकर एक व्यवसायी की करोड़ों रुपए की जमीन एक बिल्डर ने अपने नाम करा ली घटना इंदरगंज थाना क्षेत्र स्थित जिला न्यायालय के पास की है। इसी का पता उस समय चला जब व्यवसायी को जमीन का नामांतरण किसी और के नाम होना पता चला। मामले का पता चलते ही पीड़ित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत की जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

दाल बाजार निवासी नवल शिवहरे पेशे से व्यवसायी है और वर्ष 2002 में उन्होंने जगदीश गौड़ नामक व्यक्ति से सिरकी पिकड़ी पर जमीन खरीदी थी। पिछले साल उन्हें पता चला कि उनकी यह जमीन बिल्डर विनोद परिहार के नाम पर नामांतरण हो गई है। इसका पता चलते ही उन्होंने अपने स्तर पर पड़ताल की तो पता चला कि जमीन का नामांतरण वर्ष 2017-18 में फिर से जगदीश गौड़ के नाम हुआ है और फिर जगदीश गौड़ की फर्जी वसीयत पर जमीन का नामांतरण विनोद परिहार के नाम हुआ है। इसका पता चलते ही पीड़ित व्यवसायी थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद आरोपी विनोद परिहार, विशवेन्द्र सिकरवार, हितेन्द्र शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने जब मृतक की वसीयत और मृत्यु प्रमाण की जांच की तो पता चला कि जगदीश गौड़ की मौत वर्ष 2014 में हुई है और जो मृत्यु प्रमाण-पत्र दिया है वह वर्ष 2010 का है। जब इसकी जांच की तो पता चला कि वह मृत्यु प्रमाण पत्र हेमलता नामक महिला का है, जिसे कूटरचना करके तैयार कराया गया है। साथ ही पता चला कि पूर्व में इस वसीयत के आधार पर तहसीलदार ने इसे जगदीश गौड़ की पत्नी व बेटा होने के कारण अस्वीकार कर दिया था।

सस्ता मकान बेचने का झांसा देकर पांच लाख हड़पे-सस्ता मकान बेचने का सौदा कर एक दंपती ने पांच लाख रुपए की ठगी कर ली। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के गोसपुरा नंबर एक की है। जब कई माह बीतने के बाद दंपती ने रजिस्ट्री नहीं की तो पीड़िता ने पड़ताल की तो पता चला कि जिस मकान का उन्होंने अनुबंध किया है वह तो पहले से ही बैंक में बंधक है। इसका पता चलते ही पीड़िता ने केस दर्ज कराया। ग्वालियर थाना क्षेत्र के गोसपुरा नंबर एक निवासी शिक्षा देवी पत्नी श्याम सिंह भदौरिया ने वर्ष 2017 में रामबाई खरे व उनके पति से एक मकान का सौदा छह लाख रुपए में किया था और उसका अनुबंध करते हुए पांच लाख रुपए दिए थे। शेष एक लाख रुपए रजिस्ट्री कराते हुए देना तय हुआ था। इसके बाद वह चक्कर काटती रही, लेकिन दंपती उन्हें कुछ दिन बाद की बात कहकर टरकाते रहे। काफी समय बीतने पर भी जब रजिस्ट्री नहीं हुई तो शिक्षा देवी को शंका हुई और पड़ताल की तो पता चला कि जिस मकान का आरोपी दंपती सौदा कर रहे थे वह तो आधार बैंक में बंधक है। इसका पता चलते ही वे दंपती के पास पहुंचे और अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। ठगी की शिकार पीड़िता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की।

ब्राह्मण सदियों से मार्गदर्शक की भूमिका में रहे हैं : सांसद

ग्वालियर। शरीर का महत्वपूर्ण भाग मस्तिष्क होता है उसी तरह ब्राह्मण भी सर्वहारा वर्ग के मस्तिष्क के रूप में काम करता है। सदियों से ब्राह्मण, समाज व राष्ट्र का मार्गदर्शक रहा है और निकट भविष्य में भी हम इसी भूमिका में रहें, इसके लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने फूलबाग स्थित थियोसोफिकल सोसाइटी सभागार में आयोजित ब्रह्म के स्वर पत्रिका के द्वितीय अंक का विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। अध्यक्षता सोसाइटी अध्यक्ष डॉ केशव पांडेय ने की।

जिला पंचायत के उपाध्यक्ष शांतिशरण गौतम विशिष्ट अतिथि थे। श्री शेजवलकर ने कहा की मैं उस परिवार में पला बढ़ा हूं, जहां जाति धर्म से परे होकर मानवता को महत्व दिया जाता है इसलिए मैं सभी जाति धर्म के लोगों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखता हूं। डॉ. केशव पांडेय ने कहा कि जब भी किसी को कोई पद मिलता है तो उसमें मद आ जाता है लेकिन शेजवलकर ऐसे सच्चे जनप्रतिनिधि हैं जो किसी भी प्रकार का अहंकार नहीं रखते। निश्चित तौर पर शेजवलकर की कार्यप्रणाली हमको अहंकार से परे रहने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर जितेन्द्र शर्मा, डॉ दिव्यांशु दुबे, सचिन पांडेय, ममता कटारे, व्यंजना मिश्रा, आशा त्रिपाठी, सीमा मुदगल, कला चतुर्वेदी, राजेंद्र मुदगल, अरविन्द जैमिनी, राजेश शर्मा, राजेश पांडा, लालता मिश्रा, धीरेन्द्र शर्मा, जोगेंद्र शर्मा, गिरिजा दुबे, रवि शर्मा, जे पी मुदगल, मुकेश

स्थायी वारंटी पकड़ा गया

लखन दौन। पुलिस अधीक्षक सिवनी द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत एसडीओपी लखनादौन के मार्गदर्शन में थाना लखनादौन में धारा 4,6,9 मप्र. जुआ अधिनियम के मामले में 4 साल से फरार स्थाई वारंटी जुम्मेरी लड़के उम्र 32 साल निवासी लखनादौन बस स्टैंड को थाना पुलिस ने घेराबंदी कर 7 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को पुलिस द्वारा थाना लाया गया और फिर बाद में कोर्ट में पेश किया गया।

विश्व दृष्टि दिवस का 8 अक्टूबर को आयोजन

बालाघाट। नेत्र रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रतिवर्ष अक्टूबर माह के दूसरे गुरुवार को विश्व दृष्टि दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 8 अक्टूबर को यह दिवस मनाया जायेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस अवसर पर आम जनता को नेत्र रोगों से बचाव के उपाय एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडेय ने बताया कि देखने का अधिकार मानव के मूल अधिकारों में से एक है। अतः यह जरूरी है कि कोई भी व्यक्ति दृष्टिहीन ना होने पाए और है तो दृष्टिहीन न रहने पाए। दुनिया में अंधेपन का सबसे प्रमुख कारण मोतियाबिंद है। मरीज को धुंधला दिखाई देने के अलावा और कोई तकलीफ नहीं होती है, जिसका समय पर इलाज करा लिया जाये तो 100 प्रतिशत नजर वापस आ जाती है इसके विपरीत काला मोतियाबिंद जिसे काला मोतिया भी कहते हैं जिसमें आंख के अंदर का दबाव बढ़ने से पर्दे की नस पर दबाव पड़ता है, जो नजर एक बार चली जाती है और वह वापस नहीं आती इसका भी समय पर इलाज करा लिया जाये तो नजर को बचाया जा सकता है।

चार जोड़े बंधे विवाह सूत्र में

बालाघाट। कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट में विशेष विवाह अधिनियम के अंतर्गत चार जोड़ों का विवाह कराया गया। विशेष विवाह अधिकारी एवं अपर कलेक्टर फ्रेंक नोबल ए ने नवविवाहित जोड़ों का गवाहों के समक्ष विवाह करवाया और उन्हें विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किया। किरनापुर के ग्राम पालय निवासी 30 वर्षीय अजय देव एवं ग्राम मुराना की 22 वर्षीय रो उन्डुराईया पाचे, लांजी के ग्राम सिरेगांव के 30 वर्षीय जितेंद्र कुमार मेश्राम एवं ग्राम सिहारी की 22 वर्षीय माया बल्लावखेड़े, लांजी के ग्राम सिरेगांव निवासी 52 वर्षीय रमेश पाण्डे (विधुर) 52 वर्ष एवं ग्राम सिरेगांव की ही 37 वर्षीय मनुला बाई (विधवा), लालबर्रा के गुरुनानक नगर निवासी 30 वर्षीय विकास जांभेले एवं लखनौर खैरलांजी के ग्राम कटोरी निवासी 28 वर्षीय प्रिया पांगड़े, लालबर्रा तहसील के ग्राम धनेगांव निवासी 29 वर्षीय हुमान हुलनेकर एवं कटंगी तहसील के ग्राम डगरी की निवासी 26 वर्षीय कविता मेश्राम ने विशेष विवाह अधिकारी के समक्ष विवाह करने के लिए आवेदन पेश किया था।

19 फरार एवं एक अज्ञात फरार आरोपी पर ईनाम घोषित

दमोह। पुलिस अधीक्षक हेमंत चौहान ने दमोह जिले 05 प्रकरणों में फरार एवं 01 प्रकरण में फरार अज्ञात आरोपी पर 69 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया है। उन्होंने 01 फरार अज्ञात आरोपी पर 10 हजार रुपए, 01 फरार आरोपी पर 5 हजार रुपए तथा 19 फरार आरोपियों पर 54 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक श्री चौहान ने प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये जिले के अन्य प्रदेश में धारा 457,380 ताहि एवं के तहत फरार अज्ञात आरोपी पर 10 हजार रुपए का ईनाम तथा अन्य प्रदेश में धारा 365, 376 भा द वि एवं के तहत फरार आरोपी गुन्ने उर्फ भगवान सिंह निवासी

इस बार न रावण दहन होगा, न ही ईद मिलाद का जुलूस निकलेगा

त्यौहारों को लेकर हुई शांति समिति की बैठक में हुए निर्णय

बालाघाट

कोरोना संक्रमण के संकट के दौरान आगामी समय में मनाये जाने वाले दुर्गोत्सव, दशहरा, मिलाद-उन-नबी, महर्षि वाल्मिकी जयंती को लेकर कलेक्टर दीपक आर्य की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी, अपर कलेक्टर फ्रेंक नोबल ए, सहायक कलेक्टर दलीप कुमार, बैहर एसडीओपी गुरुप्रसाद, बालाघाट एसडीएम के सी बोपचे, कानून व्यवस्था से जुड़े अधिकारी एवं सभी धर्मों से जुड़े गणमान्य नागरिक एवं प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में तय किया गया कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए आगामी समय में आ रहे त्यौहारों के दौरान किसी प्रकार का जुलूस एवं चल समारोह आयोजित नहीं किया जायेगा। धार्मिक आयोजनों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए कम से कम लोगों को शामिल किया जायेगा। सभी लोग मास्क का उपयोग करें। बुजुर्गों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए, उन्हें दुर्गोत्सव के दौरान पंडाल में न आने के लिए कहा जाये। यदि वे आये तो सोशल डिस्टेंसिंग एवं मास्क का उपयोग आवश्य करें।

बौद्ध विहार में न लगाएं भीड़

बैठक में तय किया गया कि मिलाद-उन-नबी के दौरान जुलूस आदि नहीं निकाला जायेगा और मस्जिद में भी कम से कम लोग आयें इसका ध्यान रखा जायेगा। 14 अक्टूबर को बौद्ध धर्म के लोगों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में बौद्ध विहार में कम से कम लोगों को शामिल होने कहा जायेगा। इसी प्रकार 31 अक्टूबर को महर्षि वाल्मिकी जयंती पर भी कम से कम लोगों के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

कोरोना संकट में जनसहयोग जरूरी

बैठक में बताया गया कि दशहरा त्यौहार में इस बार रावण दहन नहीं होगा। रानी अवंतीबाई चौक पर दुर्गा प्रतिमा नहीं बैठाई जायेगी। दशहरा समिति द्वारा बताया गया कि कोरोना संकट के कारण इस वर्ष कोई चल समारोह एवं जुलूस आयोजित नहीं किया जायेगा और सुख्खा अस्थस्य पूजन नहीं किया जायेगा। दुर्गा जी प्रतिमा का विसर्जन नगर पालिका द्वारा कराया जायेगा। बैठक में सभी धर्मों के प्रतिनिधियों द्वारा अपने त्यौहारों में कम से कम लोगों को शामिल करने एवं जुलूस, चल समारोह आदि नहीं निकालने के लिए सहमति देने के लिए उनका स्वागत किया गया और उन्हें धन्यवाद दिया गया।

आयुक्त निःशक्तजन रजक तीन दिनी दमोह प्रवास पर

दमोह। आयुक्त निःशक्तजन मध्यप्रदेश संदीप रजक आज से 3 दिवसीय प्रवास पर 9 अक्टूबर तक दमोह जिले में रहेंगे। प्रवास के दौरान आयुक्त श्री रजक द्वारा बस स्टैण्ड एवं दिव्यांगजनों के हितार्थ संचालित संस्थाओं का निरीक्षण तथा कोरोना में दिव्यांगजनों के लिये किये जा रहे कार्यों की समीक्षा तहसील स्तर पर करेंगे। प्रवास कार्यक्रम श्री रजक 7 अक्टूबर को रात्रि विश्राम दमोह में करेंगे। आप 8 अक्टूबर को बस स्टैण्ड का निरीक्षण उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं आरटीओ दमोह के साथ करेंगे तथा दिव्यांगजनों के हितार्थ संचालित संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे तथा रात्रि विश्राम दमोह में करेंगे। श्री रजक 9 अक्टूबर को कोरोना में दिव्यांगजनों के लिये किये जा रहे कार्यों की समीक्षा तहसील स्तर पर करेंगे तथा रात्रि विश्राम दमोह में करेंगे। आप 10 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे दमोह से भोपाल के लिये रवाना होंगे।

विधायक बिसेन ने ली चिकित्सकों की बैठक, कहा-सराहनीय कार्य करने वाले चिकित्सक सम्मानित किए जाएंगे

कोरोना टेस्ट के बहाने सामान्य बीमारी के इलाज में न हो विलंब

बालाघाट

प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं विधायक गौरीशंकर बिसेन ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आईएमए के चिकित्सकों एवं प्रायवेट चिकित्सकों की बैठक लेकर बालाघाट में कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी, अपर कलेक्टर फ्रेंक नोबल ए, सहायक कलेक्टर दलीप कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडेय, सिविल सर्जन डॉ. आरके मिश्रा एवं सभी प्रायवेट चिकित्सक उपस्थित थे। विधायक श्री बिसेन ने बैठक में कहा कि कोरोना संकट के कारण प्रायवेट अस्पतालों में सामान्य बीमारी के मरीजों का उपचार रुकना नहीं चाहिए। हृदय रोग या अन्य गंभीर उपचार के लिए प्रायवेट अस्पताल में आये तो कोरोना टेस्ट के बहाने उसके उपचार में विलंब नहीं होना चाहिए। बल्कि ऐसे मरीजों को कोरोना पॉजिटिव मानकर पूरी सावधानी एवं सतर्कता के साथ प्राथमिक उपचार मिलना चाहिए। प्रायवेट चिकित्सक भी मानवीय पहलुओं पर ध्यान देते हुए मरीजों का उपचार करें। जिन मरीजों में कोरोना के लक्षण हो उसे कोरोना टेस्ट के लिए जिला चिकित्सालय के फीवर क्लीनिक में भिजवायें। प्रायवेट क्लीनिक का कोई मरीज कोरोना पॉजिटिव पाया जाता है तो उस पूरे क्लीनिक को सील न किया जाये। इससे अन्य मरीजों को उपचार नहीं मिल पाता है। विधायक श्री बिसेन ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान आयुष चिकित्सकों ने अथक परिश्रम किया है और कोरोना पॉजिटिव मरीजों के उपचार में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। सभी आयुष चिकित्सकों का सम्मान किया जायेगा और उनकी जो भी मांगे है, उनपर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जायेगा।

प्रशासन ने की इलाज की पुख्ता व्यवस्थाएं, अब नहीं होगा लॉकडाउन, सावधानी और सतर्कता जरूरी

बैठक में कलेक्टर ने बताया कि बालाघाट जिले में कोरोना पॉजिटिव मरीजों के उपचार के लिए पर्याप्त संख्या में बेड का इंतजाम किया गया है। कोरोना पॉजिटिव हल्के लक्षणों वाले मरीजों के लिए बैहर में 25 एवं लांजी में 50 बेड की व्यवस्था की गई है। इस प्रकार जिले में कुल 375 बेड हल्के लक्षणों वाले मरीजों के लिए उपलब्ध है। 105 बेड आक्सीजन सुविधा वाले है। इसके अलावा 10 आईसीयू बेड चिकित्सालय में दो दिनों में तैयार हो जायेंगे। जिले में 09 वेंटिलेटर की भी व्यवस्था है। अब तक बालाघाट जिले में 25 हजार 185 मरीजों के सेंपल कोरोना टेस्ट के लिए एकत्र किये गये हैं। इसमें से 1349 मरीज कोरोना पॉजिटिव पाये गये है। जिले में अब लॉकडाउन नहीं किया जायेगा। बल्कि आम जन को कोरोना संक्रमण से बचने के लिए अधिक सावधानी एवं सतर्कता बरतना होगा।

कोविड अस्पताल में सेवाएं देने के लिए भी तैयार रहें प्राइवेट चिकित्सक

बैठक में प्रायवेट चिकित्सकों से कहा गया कि जरूरत पड़ने पर जिला चिकित्सालय एवं कोविड अस्पताल में अपनी सेवायें देने के लिए तैयार रहें। प्रायवेट चिकित्सकों ने भी इस बात पर सहमति दी कि जब उन्हें बुलाया जायेगा वे अपनी सेवायें देने तत्पर रहेंगे। बैठक में सुझाव दिया गया कि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लोगों को और जागरूक बनाने की जरूरत है। चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि आम लोगों द्वारा घर से बाहर निकलने पर मास्क नहीं लगाया जा रहा है या मास्क को नाक पर सही तरीके से नहीं लगाया जाता है। मास्क भी इस तरह से लगाया जाता है कि मुंह एवं नाक दोनों खुले रहते हैं। सही तरीके से एवं सही गुणवत्ता का मास्क नहीं लगाने से भी कोरोना संक्रमण के फैलने का खतरा है। आमजन को समझाया जाये कि वह सही गुणवत्ता का मास्क पहने एवं सही तरीके से पहने, घर से बाहर निकलने पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अवश्य करें।

कोविड सेंटर में बेड की कमी नहीं

कोरोना पॉजिटिव पाए गए मरीजों के उपचार के लिए जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा पर्याप्त संख्या में बेड का इंतजाम किया गया है। कोविड केयर सेंटर गोंगलई बालाघाट, बैहर एवं लांजी में 375 बेड एवं पॉलिटेक्निक के पीछे बूढ़ी बालाघाट में बनाए गए कोविड अस्पताल में आक्सीजन सुविधा युक्त 105 बेड का इंतजाम किया गया है। 7 अक्टूबर 2020 की दोपहर 12 बजे की स्थिति में कोविड सेंटर में 31 एवं कोविड अस्पताल बूढ़ी में 65 बेड मरीजों से भरे हैं। इस प्रकार कोविड सेंटर गोंगलई, बैहर एवं लांजी में कुल 484 बेड एवं कोविड अस्पताल बूढ़ी में 40 बेड खाली हैं। जिले में होम आईसोलेशन में 131 कोरोना पॉजिटिव मरीजों को उपचार के लिए रखा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज पांडेय ने बताया कि बालाघाट जिले में कोरोना पॉजिटिव पाए गए मरीजों के उपचार के लिए जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा पर्याप्त संख्या में बेड का इंतजाम किया गया है और बेड की कोई कमी नहीं है।

35 मरीज कोरोना पॉजिटिव मिले, स्वस्थ होने पर 32 को किया गया डिस्चार्ज

बालाघाट। बालाघाट में 35 मरीजों के सेंपल और कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। वहीं कोरोना पॉजिटिव 32 मरीजों के ठीक हो जाने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक बालाघाट जिले में अब तक कुल 1349 मरीज पॉजिटिव पाए जा चुके है। इनमें से 979 मरीज प्रोटोकाल के अनुसार ठीक होकर घर जा चुके है। 352 मरीजों का उपचार किया जा रहा है। 10 मरीजों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा रेफर किया गया है और 8 मरीजों की मृत्यु हो गई है। पॉजिटिव मरीजों का पता लगाने के लिए संदिग्ध मरीजों के लगातार सेंपल लेकर टेस्ट कराए जा रहे हैं। 6 अक्टूबर को जिले के 441 मरीजों के सेंपल कोरोना टेस्ट के लिए एकत्र किए गए है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडेय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 अक्टूबर को कोरोना पॉजिटिव पाए गए 35 मरीजों में नगरीय क्षेत्र बालाघाट के वार्ड क्रमांक 8 के 03 मरीज, वार्ड क्रमांक 9 के 02 मरीज, वार्ड नंबर 01 का 01 मरीज, वार्ड नंबर 6 के 03 मरीज, वार्ड नंबर 14 का 01 मरीज, नगरीय क्षेत्र बालाघाट के वार्ड नंबर 1 शिव मंदिर के पीछे का 01 मरीज, वार्ड नंबर 15 बूढ़ी चौक का 01 मरीज, वार्ड नंबर 32 के 02 मरीज, वार्ड नंबर 26 दीनदयाल पुरम का 01 मरीज, वार्ड नंबर 29 का 01 मरीज, वार्ड नंबर 7 पेहर चौकी का 01 मरीज, वार्ड नंबर 9 बूढ़ी चौक के 03 मरीज, बालाघाट तहसील के ग्राम भीमपुर का 01 मरीज, भरवेली के वार्ड नंबर 01 के 07 मरीज, खुरसोड़ी का 01 मरीज, परसवाड़ा तहसील के ग्राम चिखलाझोड़ी का 01 मरीज कोरोना संक्रमित पाए गए है।

सचिव पद पर निलंबन से बहाल

दमोह। न्यायालय कमिश्नर सागर संभाग सागर के स्थगन आदेश तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पथरिया द्वारा प्रस्तुत अभिमत एवं मानक पटैल द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र से सहमत होने उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ गिरीश मिश्रा ने भविष्य के लिये चेतावनी देते हुये सचिव पद पर निलंबन से बहाल कर दिया है। श्री पटैल की पदस्थापना यथावत ग्राम पंचायत बेलखेड़ी जनपद पंचायत पथरिया की गई है। ज्ञातव्य है जनपद पंचायत पथरिया की ग्राम पंचायत बेलखेड़ी के सचिव श्री पटैल द्वारा ग्राम पंचायत में स्वीकृत सीसी रोड व चबूतरा निर्माण राशि आहरित की जाकर कार्य पूर्ण नहीं करते हुये आहरित राशि का स्वहित में उपयोग, गबन किये जाने की गंभीर वित्तीय अनियमितता करने के आरोप में श्री पटैल को सचिव पद से निलंबित किया जाकर समक्ष में जवाब प्रस्तुत करने हेतु आरोप पत्र जारी किया गया था।

बैगा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति में न हो कमी

बालाघाट

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) की बैठक का आयोजन बुधवार को किया गया। कलेक्टर दीपक आर्य की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और नवीन नल-जल योजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती उमा महेश्वरी, अपर कलेक्टर बैहर शिवगोविंद मरकाम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री अरुण श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में जिले के आदिवासी बैगा बाहुल्य क्षेत्रों में जल के उपलब्ध स्त्रोतों की जानकारी तैयार कर शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिये और कहा कि बैगा बाहुल्य ग्रामों के लिए नल-जल योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तैयार किया जाये।

2024 तक हर घर में पानी पहुंचाना है

बैठक में बताया गया कि जल जीवन मिशन का लक्ष्य बालाघाट जिले में वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को निर्धारित गुणवत्ता पर घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराना है। प्रत्येक व्यक्ति को 55 लीटर के मान से जल प्रदाय हेतु नवीन योजनाओं का निर्माण, पूर्व निर्मित योजनाओं का विस्तारीकरण एवं सुदृढ़ीकरण करना है, जल स्त्रोतों का संवर्धन, दूषित जल उपचार प्रबंधन एवं निर्धारित जल गुणवत्ता सुनिश्चित करना, ग्रामीण की क्षमता संवर्धन, जल, पोषण, निगरानी एवं सामुदायिक प्रशिक्षण देना है। बालाघाट जिले की ग्रामीण जनसंख्या 15 लाख 91 हजार 561 है और जिले में 690 ग्राम पंचायतें हैं। प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत जिले के 1968 आंगनवाड़ी केन्द्रों हैं, जिनमें 1267 आंगनवाड़ी केन्द्रों में हैंडपंप के माध्यम से, 120 में नलजल योजना के माध्यम से, 67 में कुआ के माध्यम से तथा 15 आंगनवाड़ी केन्द्रों में अन्य माध्यमों से पानी की व्यवस्था की जा रही है।

24 योजनाएं तैयार, 22 को मिली मंजूरी

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 24 नवीन नल-जल योजनायें तैयार की गई है इनमें से 22 योजनाओं की मंजूरी मिल चुकी है और 2 योजनाओं के लिए निविदा आमंत्रित कर ली गई है। इसी प्रकार जिले में 234 रेट्रोफिटिंग योजनायें तैयार की गई है, इनमें से 163 योजनाओं को मंजूरी मिल गई है।

जैव विविधता क्विज में देवरी फतेहपुर की छात्राओं ने हासिल किया जिले में प्रथम स्थान

चयनित छात्राएं 24 अक्टूबर को राज्यस्तरीय ऑनलाइन प्रतियोगिता में दमोह जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी

दमोह

मजबूत इच्छा शक्ति में समर्पण किसी भी संसाधन का मोहताज नहीं होता इसका उदाहरण पेश किया है, हटा विकासखंड के दूर दराज और डिजिटल संसाधनों से कोसों दूर शासकीय हाई स्कूल देवरी फतेहपुर की कक्षा दसवीं की छात्रा मुबीना खान, मेघा विश्वकर्मा तथा नवमी की छात्रा अनुष्का राजपूत ने जिन्होंने 5 अक्टूबर को ऑनलाइन आयोजित जैव विविधता क्विज में दमोह जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अब ये छात्राएं 24 अक्टूबर को राज्यस्तरीय ऑनलाइन प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। ज्ञात हो इस प्रतियोगिता में दमोह जिले के 79 हाईस्कूल और हायरसेकंडरी स्कूलों के विद्यार्थियों ने भागीदारी की। जिले में यह पहला अवसर है, जब किसी हाईस्कूल के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान हासिल किया हो नहीं तो इसमें हायरसेकेंडरी के विद्यार्थी ही बाजी मारते रहे है।

विद्यार्थियों की इस सफलता का श्रेय संस्था के प्राचार्य एलके डिमहा ने विद्यालय के क्विज प्रभारी शिक्षक बृजेश अग्रवाल, अखिलेश खरे, अशोक तंतुवाय और शिक्षकों के समर्पण और प्रबंधन को दिया। विद्यालय की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी एचपी नेमा ने बधाई देते हुए कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की प्रतिभा निखर कर सामने आ रही है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी बीएस राजपूत और जिला क्विज मास्टर मोहन राय ने इसके लिए विद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

परिहार को चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी

मण्डला। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के द्वारा अनूपपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए संजय सिंह परिहार को सह प्रभारी बनाया गया है। उन्हें अनूपपुर में चुनाव प्रबंधन एवं जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लाक, मंडलम सेक्टर में समन्वय बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्ट्रीट वेंडर योजना प्रकरण की लोन स्वीकृति का कार्य जल्द पूरा हो

समीक्षा बैठक के दौरान कटनी ननि आयुक्त ने दिये आवश्यक निर्देश

कटनी

कटनी नगर निगम के आयुक्त सत्येन्द्र धाकरे द्वारा बुधवार को निगम कार्यालय में निगम की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से संचालित की जाने वाली योजनाओं व दैनिक कार्यों के संबंध में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाकर उनकी प्रगति की जानकारी ली और कार्य में गति लाने के निर्देश प्रदान किये गए। बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री धाकरे द्वारा एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना के तहत निगम द्वारा किये जा रहे आधार सीडिंग पाठक को शेष कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिये। राजस्व विभाग एवं जलकर शाखा को कुल डिमांड राशि के एवज में अब तक वसूल की गई करों की राशि सहित पूर्व की शेष बकाया वसूली, लीज नवीनीकरण, दुकानों का किराया, नगर सुधार न्यास की संपत्तियों की जानकारी लेते हुए नियमानुसार जानकारी ऑनलाईन अपलोड करने के निर्देश प्रदान किये गए। पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना अन्तर्गत नगर के पथ विक्रेताओं के कुल पंजीयन एवं लाभान्वित हितग्राहियों की संख्या की जानकारी लेते हुए शेष हितग्राहियों के बैंक लोन की स्वीकृति की कार्यवाही हेतु बैंक से संपर्क स्थापित करते हुए शेष बचे पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने हेतु

लापरवाही पर दिए जाएं नोटिस

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत झिंझरी स्थित फेस 1 के एलआईजी भवनों, प्रोजेक्ट कास्ट, ईडब्ल्यूएस के कुल हितग्राहियों, बैंक लोन, पीएलसी भवन हेतु कुल जमा राशि की जानकारी सहित दीनदयाल अंत्योदय योजना, आश्रय स्थल के निर्माण एवं सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों के संबंध में शिकायतों का निराकरण त्वरित गति से करने एवं लापरवाही करने पर लंबित शिकायतवार संबंधितों को नोटिस जारी करने के निर्देश प्रदान किये गए।

ये रहे बैठक में उपस्थित

बैठक के दौरान कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, राकेश शर्मा, सहायक यंत्री नागेन्द्र सिंह, सुनील सिंह, उपायुक्त आदेश जैन, अनिल जायसवाल, मीना कोरेता, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन सिटी मैनेजर अनामिका पटेल, अमित प्रकाश, राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक, अनिल त्रिपाठी, प्रभारी कार्यालय अधीक्षक नागेन्द्र पटेल, खाद्य शाखा

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स मुकाबला आज

नई दिल्ली। शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) में टूर्नामेंट में लगातार जीत के बाद पिछली राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस के साथ टॉप पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स से होगा। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ की कप्तानी में रॉयल्स की शुरुआत बहुत अच्छी रही थी और उन्होंने शारजाह के मैदान पर अपने दोनों मैच जीते लेकिन अबूधाबी और दुबई जैसे बड़े मैदानों पर उन्हें तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा। मजेदार बात यह है कि अब उन्हें एक बार फिर से शारजाह पर खेलना हैं

और यहां दो मैचों में मिली जीत उनका हौसला बढ़ाने का काम करेगी। टीम के लिए दिक्कत वाली बात यह है कि वो अभी तक अपनी बेस्ट प्लेइंग नहीं तलाश पाए हैं। बेन स्टोक्स के लौटने से उनकी उम्मीद बंधी है लेकिन वह 11 अक्टूबर तक क्वारंटाइन में हैं। दिल्ली की बात करें तो श्रेयस अय्यर की कप्तानी में दिल्ली ने तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करके पांच में से चार मैच जीते हैं। टीम टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक है। कप्तान अय्यर शानदार फॉर्म में है जबकि सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और ऋषभ पंत ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। मार्कस स्टोइनिस अब तक दो फिफ्टी जड़ चुके हैं। गेंदबाजी में कगिसो रबाडा ने अब तक 12 विकेट लिए हैं और उनके पास पर्पल कैप है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नोर्टजे ने भी जरूरत पड़ने पर अच्छा प्रदर्शन किया है। अमित मिश्रा की जगह फिट होकर आए आर अश्विन ने 26 रन देकर एक विकेट लिया है। आइए नजर डालते हैं आईपीएल के इस मैच में दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन कैसी हो सकती है-

आखिर लारा ने क्यों कहा, टीम इंडिया में केएल राहुल को न सौंपें विकेटकीपिंग का जिम्मा

नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के अपने जमाने के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने कहा कि 'बेहतरीन बल्लेबाज' केएल राहुल को भारतीय टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं सौंपनी चाहिए और उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने का मौका दिया जाना चाहिए। लारा का इसके साथ ही मानना है कि ऋषभ पंत पिछले एक साल में काफी परिपक्व हुए हैं और भारत के नंबर एक विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में उनके नाम पर विचार किया जाना चाहिए। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज और इस साल के शुरू में भारत के न्यूजीलैंड दौरे के दौरान विकेटकीपर के रूप में शानदार भूमिका निभाई थी। भारतीय टीम ने राहुल के बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी प्रयोग किया और इसमें भी वह खरे उतरे।

लारा ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, 'सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि जब विकेटकीपिंग की बात आती है तो केएल राहुल पर विकेटकीपिंग का भार नहीं डालना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'वह बेहतरीन बल्लेबाज है और मुझे लगता है कि उसे बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और बड़े स्कोर बनाने

चाहिए।' राहुल ने इंडियन प्रीमियर लीग में अभी तक पांच मैचों में एक शतक और दो अर्धशतकों की मदद से 302 रन बनाए हैं। पंत को महेंद्र सिंह धोनी का उत्तराधिकारी माना जा रहा है लेकिन उन्हें अपने करियर के शुरू में लचर विकेटकीपिंग के कारण आलोचना झेलनी पड़ी। लेकिन लारा का मानना है कि आईपीएल में 171 रन बनाने वाला यह युवा क्रिकेटर पिछले एक साल में परिपक्व हुआ है और दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए अधिक जिम्मेदारी ले रहा है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अच्छे गेंदबाजी आक्रमण और जीवंत विकेट पर उसकी तकनीक

पंत रन बनाना चाहता है, पारी संवारना चाहता है

उन्होंने कहा, 'ऋषभ पंत को एक साल पहले मैं न कहता लेकिन मुझे लगता है कि एक बल्लेबाज के रूप में उसने अपनी जिम्मेदारी समझी हैं। वह दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से जिस तरह से खेल रहा है उसे देखकर लगता है कि वह अपनी जिम्मेदारी समझता है। वह रन बनाना चाहता है, पारी संवारना चाहता है। अगर वह ऐसा करना जारी रखता है तो वह नंबर एक होना चाहिए।'

संजू सैमसन को अभी थोड़ा सुधार करने की जरूरत है

संजू सैमसन के बार में लारा ने कहा कि इस 25 वर्षीय क्रिकेटर को अभी थोड़ा सुधार करने की जरूरत है। लारा ने कहा, 'संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स की तरफ से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं निभा रहे है, लेकिन मैं जानता हूं कि वह विकेटकीपिंग कर सकता है। यह उसका मुख्य काम है। वह अच्छा खिलाड़ी है और शारजाह में उसने अच्छी पारियां खेली।'

में थोड़ा खामी है।' धोनी ने इस साल अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने भारत की तरफ से 90 टेस्ट, 350 वनडे और 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले।

कुलदीप यादव टीम से क्यों हैं बाहर? बॉलिंग कोच ने बताई असली वजह

शारजहा। कुलदीप अब तक तीन मैचों में नौ ही ओवर डाल सके हैं 'छोटा मैदान होने के कारण कुलदीप को बाहर रखा गया'पिछले साल उन्हें 9 मैचों में महज 4 विकेट मिले थे। कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजी कोच

काइल मिल्स ने आईपीएल के पिछले कुछ मैचों में स्पिनर कुलदीप यादव को बाहर रखने के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि मैदान छोटे होने और टीम संयोजन बनाने के कारण यह फैसला लेना पड़ा। केकेआर ने चेन्नई सुपर किंग्स को बुधवार को 10 रनों से हराया. धीमी पिच पर कुलदीप प्रभावी साबित हो सकते थे. मिल्स ने कहा, 'कुलदीप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से हैं, लेकिन मैदान के आकार और टीम संयोजन को देखते हुए यह अंतिम एकादश उतारी गई, जिसमें उनके लिए जगह नहीं बन सकी.' अब तक कुलदीप तीन मैचों में नौ ही ओवर डाल सके हैं. उन्हें दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई के खिलाफ उतारा नहीं गया. मिल्स ने कहा, 'यह प्रतिस्पर्धा अच्छी है. हमारे पास बड़ी टीम है और काफी प्रतिस्पर्धी भी. कुलदीप भले ही दो मैचों से बाहर रहे, लेकिन वह टीम में हैं और योगदान दे रहे हैं. टीम के भीतर एक कल्चर है और हर कोई एक-दूसरे की मदद करता है.' कुलदीप यादव के प्रदर्शन ने पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स को निराश कर दिया था। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर को 2019 में 9 मैचों में महज 4 विकेट मिले थे और फिर उन्हें खिलाया नहीं गया था।

जोकोविच 10वीं बार सेमीफाइनल में इस खिलाड़ी से होगा मुकाबला

अमेरिका। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 10वीं बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई. सर्बियाई स्टार ने लाल बजरी पर क्वार्टर फाइनल में 17वें वरीय स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा को 4-6, 6-2, 6-3, 6-4 से मात दी. जोकोविच की शुरुआत धीमी रही और वह बीच में कई बार दर्द से जूझते दिखे. उन्होंने ट्रेनर से मालिश भी कराई. जोकोविच रोलां गैरो पर दूसरे खिताब की ओर बढ़ चले हैं. 18वें ग्रैंड स्लैम खिताब की कवायद में लगे जोकोविच अपने करियर के 38वें ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं. रोलां गैरो पर उनकी यह 73वीं जीत है. यहां सर्वाधिक जीत के मामले में राफेल नडाल सबसे आगे हैं. उन्होंने अब तक 98 जीत हासिल की है. इसके साथ ही फ्रेंच ओपन में पुरुषों के सिंगल्स सेमीफाइनल तय हो गए. जोकोविच का सामना पांचवीं सीड ग्रीस के स्टेफानोस सिटसिपास से होगा, जबकि क्ले कोर्ट के

बादशाह कहे जाने वाले राफेल नडाल का सामना अर्जेंटीना के 12वीं सीड डिएगो श्वार्ट्जमैन से होगा. उधर, दो बार की विंबलडन चैंपियन पेट्रा क्विटोवा ने अपनी गलतियां से उबरते हुए लॉरा सीगमंड को सीधे सेटों में हराकर दूसरी बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई. क्विटोवा ने दुनिया की 66वें नंबर की खिलाड़ी लॉरा को 6-3, 6-3 से हराया. अब उनका सामना ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन सोफिया केनिन से होगा, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में साथी अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस को 6-4, 4-6, 6-0 से मात दी।

केएल राहुल ने ऑरेंज कैप रखी बरकरार, रबाडा के पास पर्पल कैप

दुबई। किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने आईपीएल-13 में ऑरेंज कैप अपने पास ही रखी है और दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा के पास पर्पल कैप है. लोकेश राहुल के पांच मैचों में एक शतक और दो अर्धशतक के दम पर 302 रन हैं और वह लीग में अभी तक रन बनाने के मामले में सबसे आगे हैं.

चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस के पास राहुल को पीछे छोड़ने का मौका था, लेकिन बुधवार रात को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच में डु प्लेसिस राहुल को छोड़ने से सिर्फ चार रनों से चूक गए. डु प्लेसिस के छह मैचों में 299 रन बनाए हैं. तीसरे नंबर पर राहुल की टीम के मयंक अग्रवाल हैं, जिनके 272 रन हैं. गेंदबाजों की सूची में रबाडा के नाम पांच मैचों में 12 विकेट हैं। कैगिसो रबाडा से एक विकेट पीछे मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह हैं. मुंबई के ट्रेंट बोल्ट तीसरे स्थान पर हैं. उनके नाम छह मैचों में 10 विकेट हैं. लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को ऑरेंज कैप दी जाती है जबकि सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज को पर्पल कैप दी जाती है।

गावस्कर की सलाह, टी-20 क्रिकेट में गेंदबाज को मिले यह खास छूट

नई दिल्ली। यूएई में इस समय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन का आयोजन हो रहा है। भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए इसका आयोजन यहां हो रहा है। क्रिकेट के इस सबसे छोटे फॉर्मेट में बल्लेबाजों का दबदबा रहा है और सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता। लेकिन यूएई में जारी इस टूर्नामेंट में अब तक बल्लेबाज और गेंदबाजों के बीच बराबरी का मुकाबला देखने को मिला है जहां कुछ बल्लेबाजों ने शतक भी लगाए वहीं कई मौके पर गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी कर मैच को अपनी टीम की तरफ झुकाया। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी कहा है कि टी-20 क्रिकेट अच्छी स्थिति में है और इसमें बदलाव की जरूरत नहीं है लेकिन एक ओवर में दो बाउंसर की अनुमति दी जा सकती है। यह पूछने पर कि क्या गेंदबाजों पर से दबाव कम करने के लिए नियमों में बदलाव लाजमी

है, गावस्कर ने यूएई से पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि टी-20 क्रिकेट बहुत अच्छी स्थिति में है और बदलाव की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बल्लेबाजों के अनुरूप है लिहाजा तेज गेंदबाजों को हर ओवर में दो बाउंसर डालने की अनुमति दी जा सकती है और बाउंड्री थोड़ी बड़ी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले तीन ओवर में विकेट लेने वाले गेंदबाज को एक अतिरिक्त ओवर दिया जा सकता है लेकिन इस फॉर्मेट में कोई बदलाव की जरूरत मुझे नहीं लगती। नियमों के बारे में उन्होंने कहा कि टीवी अंपायर को यह जांचने का अधिकार होना चाहिए कि गेंदबाज के गेंद डालने से पहले सामने के छोर पर खड़ा बल्लेबाज क्रीज से बहुत बाहर तो नहीं आ गया है।

मीडिया पोस्ट वायरल

मां लक्ष्मी को आंतरिक सुंदरता की प्रेरणा मानती हैं सलमा हायेक

अमेरिका की ग्लैमरस एक्ट्रेस, सिंगर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर अभिनेत्री सलमा हायेक का एक ट्वीट सुर्खियां बटोर रहा है। एक्ट्रेस ने अपने ट्विटर पर मां लक्ष्मी की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा है- %जब मैं अपनी आंतरिक सुंदरता से जुड़ना चाहती हूं तो मैं मां लक्ष्मी पर अपना ध्यान केंद्रित करती हूं। जो हिंदू धर्म में धन, सौभाग्य, प्रेम, सुंदरता, माया, आनंद और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती हैं। उनकी छवि मुझे बहुत खुशी देती है और खुशी कहीं न कहीं आंतरिक सुंदरता का रास्ता है।% सलमा का ये पोस्ट वायरल हो गया है। सलमा ने मां लक्ष्मी को अपनी आंतरिक सुंदरता की प्रेरणा देने वाला कहा है। कुछ यूजर्स का कहना है कि हमारी भारतीय संस्कृति और सभ्यता विश्व के दूसरे देशों में रहे लोगों को काफी प्रभावित करती है। सलमा के इस पोस्ट को अब तक 32 हजार से ज्यादा लोगों ने पसंद किया है। सलमा की इस पोस्ट को बॉलीवुड सेलेब्स भी पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस बिपासा बसु ने उनके इस पोस्ट पर अद्भुत कमेंट किया साथ ही हाथ जोड़ने वाली इमोजी भी बनाई है। वहीं विवेक अग्निहोत्री ने लिखा- लगता है कि सलमा हायेक अर्बन नक्सलों या जेएनयू, जाधवपुर गैंग से अभी तक मिली नहीं हैं। बता दें, सलमा को हॉलीवुड फिल्म 'फ्रीडा' के लिए जाना जाता है। मैक्सिको की अभिनेत्री सलमा हायेक अगर फिल्मी दुनिया में काम नहीं कर रही होतीं तो शायद आज वह एक अंतरिक्ष यात्री होतीं। सलमा ने यौन उत्पीड़न के खिलाफ चल रही मुहिम मस्र्ङ्खञ्जश्रश्र हॉलीवुड प्रोड्यूरस हार्वे वीन्स्टीन पर यौन शोषण का आरोप लगाया था।

चंद्रचूड़ सिंह ने कई बड़े कलाकारों के साथ किया काम, इस एक गलती ने बना दिया 'गुमनाम'

चंद्रचूड़ सिंह, बॉलीवुड का ऐसा अभिनेता जिन्होंने कई फिल्में कीं, लेकिन उन्हें वह मुकाम हासिल नहीं हुआ जिसकी उन्हें उम्मीद थी। उन्होंने बॉलीवुड के कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया और शानदार फिल्में भी की हैं। चंद्रचूड़ सिंह का जन्मदिन 11 अक्तूबर को होता है। जन्मदिन के मौके पर हम आपको उनसे जुड़ी खास बातों के बारे में बताते हैं। चंद्रचूड़ सिंह का जन्म 11 अक्तूबर 1968 को हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत अमिताभ बच्चन की फिल्म तेरे मेरे सपने से की थी। अमिताभ बच्चन इस फिल्म के निर्माता थे। यह फिल्म साल 1996 में आई थी। चंद्रचूड़ सिंह की पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। इसके बाद वह अभिनेत्री तब्बू के साथ फिल्म माचिस में नजर आए। इस फिल्म में उनके अभिनय को पर्दे पर खूब पसंद किया गया था। इसके बाद चंद्रचूड़ सिंह दाग~ द फायर, जोश और क्या कहना सहित बॉलीवुड की कई शानदार फिल्मों में नजर आए। चंद्रचूड़ सिंह ने कुछ हिट फिल्में देने के बाद बॉलीवुड से दूरी बना ली थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में फिल्मों से दूर जाने की वजह भी बताई थी। उन्होंने कहा था, %मैं कुछ अच्छे रोल करना चाहता था। मेरे पास कई ऑफर आए लेकिन मुझे कुछ अलग रोल का इंतजार था। वह नहीं आए तो मैंने फिल्मों से दूरी बना ली।% करीब एक दर्जन फिल्में करने के बाद चंद्रचूड़ सिंह अचानक बॉलीवुड से गायब हो गए। उन्हें फिल्मों में काम मिलना बंद हो गया। साल 2000 में चंद्रचूड़ का एक भयानक एक्सीडेंट हो गया। वह गोवा में बोट राइडिंग कर रहे थे। तभी यह हादसा हुआ और उनके कंधे बुरी तरह जख्मी हो गए। इसके बाद तो चंद्रचूड़ का करियर ठप पड़ गया। इस हादसे से उबरने में चंद्रचूड़ को करीब 10 साल लग गए। उन्होंने फिल्म %चार दिन की चांदनी% से वापसी की। लेकिन ये फिल्म फ्लॉप हो गई। बता दें कि चंद्रचूड़ ने क्लासिकल म्यूजिक सीखा हुआ है। इंटरव्यू में चंद्रचूड़ ने कहा था कि हादसे के बाद उनकी जिंदगी में कई मुश्किलें आई, लेकिन उनकी पत्नी और बेटे ने उनका बहुत साथ दिया।

भाई की वजह से अमिताभ बच्चन को मिली थी उनकी पहली फिल्म

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को हिंदी सिनेमा में बिग बिग, शहनशाह, मेगास्टार और महानायक के तौर भी जाना जाता है। अमिताभ बच्चन ने बॉलीवुड में कई बड़े मुकाम हासिल किए हैं जिन्हें चंद शब्दों में नहीं बताया जा सकता है। उनका जन्मदिन 11 अक्तूबर को होता है। अमिताभ बच्चन ने बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरुआत फिल्म %सात हिंदुस्तानी% से की थी। यह फिल्म साल 1969 में आई थी। ऐसे में हम आपको बताते हैं अमिताभ बच्चन को उनकी पहली फिल्म कैसे मिली थी। फिल्म %सात हिंदुस्तानी% अमिताभ बच्चन की इकलौती ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म है। फिल्मों में आने से पहले ही से वह नाटक के शौकीन थे। उन्होंने लंबे समय तक अपने स्कूल और कॉलेज में नाटक किया था, लेकिन फिल्म %सात हिंदुस्तानी% अमिताभ बच्चन को उनके भाई अजिताभ की वजह से मिली।

रिया चक्रवर्ती के जेल से बाहर आने पर हुमा कुरैशी बोलीं

शर्म करो, एक लड़की की जिंदगी खराब कर दी

रिया चक्रवर्ती के जेल से बाहर आने के बाद कई सेलेब्स ने इस पर अपने रिएक्शन दिए हैं। अब इस मामले पर हुमा कुरैशी ने एक ऐसा ट्वीट किया है जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

हुमा ने लिखा, 'सभी को रिया चक्रवर्ती से माफी मांगनी चाहिए। इस बात की जांच की जाए कि वे कौन लोग थे जिन्होंने मर्डर की थ्योरी फैलाई थी। शर्म आनी चाहिए कि एक लड़की और उसके परिवार की जिंदगी को इससे पहले फरहान अख्तर ने ट्वीट किया था, कोई एंकर बुरे बर्ताव के लिए रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार से माफी मांगेंगे। ऐसा नहीं लगता लेकिन उन्हें अभी गोलपोस्ट शिफ्ट करते हुए देखें। वे इसके लिए कुख्यात हैं।' शिबानी दांडेकर ने ट्वीट किया, 'रिया चक्रवर्ती को आखिरकार एक महीने बाद बेल मिल गई। वह हमारे कुछ प्रमुख टीवी न्यूज चैनलों की अगुवाई में बेहद गलत व्यवहार का विषय रही हैं। रिया के वकील सतीश मानशिंदे ने हाल ही में बताया कि रिया ने जेल में अपना समय कैसे बिताया। सतीश ने कहा, 'रिया जेल के कैदियों के लिए योग क्लासेज संचालित करती थीं। वह जेल में कैदियों को योगा सिखाया करती थीं। उन्होंने खुद को जेल के मुताबिक एडजस्ट कर लिया था क्योंकि कोरोना महामारी के कारण उन्हें घर का खाना नहीं मिल सकता था। वह एक सामान्य महिला की तरह ही कैदियों के साथ रहती थीं।

सुशांत और ड्रग्स केस में पहली बार आया रिया चक्रवर्ती की मां का बयान

इन चीजों से मेरी बेटी कैसे उभरेगी?

> हमने घर के बाहर सीसीटीवी लगवाया है, ताकी बाहर कौन आया है हमें ये पता चल सके। इतने दिन मैं ठीक से सो नहीं पाई , न ही ठीक से खा पाई। मेरा पूरा परिवार तबाह हो गया है। कई बार तो मुझे आत्महत्या करने का ख्याल भी आया।

ड्रग्स केस में नाम आने के बाद न्यायिक हिरासत में करीब एक महीने का समय बिताने के बाद रिया चक्रवर्ती बुधवार को जमानत पर रिहा हो गई हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि रिया चक्रवर्ती किसी भी ड्रग डीलर्स की चेन का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में उन्हें जेल में रखना उचित नहीं है। अब इस मामले में पहली बार रिया चक्रवर्ती की मां संध्या चक्रवर्ती ने बयान दिया है। रिया की मां ने एक इंटरव्यू में कहा- 'जिन चीजों से वो निकली है, अब वो उन सबसे कैसे उभरेगी? लेकिन वो एक फाइटर है, उसे मजबूत रहना होगा। मुझे उसकी थैरेपी करवानी पड़ेगी ताकी वो इस ट्रॉमा से बाहर निकल सके और जिंदगी को दोबारा जी सके। क्योंकि ये कानूनी लड़ाई लंबी चलने वाली है।'

रिया की मां ने कहा- 'इस बात का सुकून है कि वो जेल से बाहर आ गई है, मेरा बेटा अभी भी जेल में है, मैं ये सोचकर परेशान होती हूं कि कल का दिन हमारे लिए क्या लाएगा?। मेरे पति आखिरी बार ईडी ऑफिस जाने के लिए बाहर निकले थे, जब वो वहां से वापस आ रहे थे तो उनका पीछा किया गया। अब जब भी दरवाजे की घंटी बजती है तो डर लगता है कि कौन होगा, सीबीआई या रिपोर्टर?'

वह आगे कहती हैं, 'हमने घर के बाहर सीसीटीवी लगवाया है, ताकी बाहर कौन आया है हमें ये पता चल सके। इतने दिन मैं ठीक से सो नहीं पाई , न ही ठीक से खा पाई। मेरा पूरा परिवार तबाह हो गया है। कई बार तो मुझे आत्महत्या करने का ख्याल भी आया।' करीब एक महीने से भायखला जेल मे बंद रिया को बुधवार की शाम को जेल से छोड़ा गया। उनके भाई शौविक चक्रवर्ती और अब्दुल बासित परिहार को जमानत नहीं मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई करते हुए इस मामले पर अपना फैसला सुनाया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेत्री को सशर्त जमानत दी है। रिया चक्रवर्ती को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत मिली है। रिया को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा। साथ ही मुंबई से बाहर जाने के लिए उन्हें मंजूरी भी लेनी होगी।

सड़कों के जाल से हो रही विकास की राह आसान : मुख्यमंत्री

स्वराज्य अभियान,भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना काल में श्रमिकों और किसानों सहित नागरिकों की तकलीफें दूर करने का भरसक प्रयास किया गया। हमारा देश गांव में बसता है। अधोसंरचना क्षेत्र में कार्य से आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा और वर्तमान दिक्कतों को दूर किया जा सकेगा। विशेषकर सड़कों का जाल बिछाने से विकास की राह आसान हो रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मिंटो हॉल में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा निर्मित लगभग 13 हजार ग्रामीण सड़कों का वर्चुअल लोकार्पण कर रहे थे। लोकार्पित सड़कों में उप चुनाव वाले जिलों की सड़कों को लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों, स्व-सहायता समूहों, ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना काल में बनी ग्रामीण सड़क कार्यों की सराहना करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सड़कों के निर्माण से आम लोगों की जिन्दगी बदलती है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल जी ने देश में वृहद स्तर पर सड़कों के निर्माण का संकल्प लिया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी भी इस दिशा में रुचि लेकर सड़कों के निर्माण के कार्यों को गति देने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि सड़कों के साथ ही ग्रामों में आवास क्षेत्र में भी अधिकाधिक कार्य कर उपलब्धि प्राप्त करने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में मार्च में कोरोना संक्रमण के उपचार की संपूर्ण व्यवस्थाएं की गईं। इस संकट के समय

में स्थानीय और प्रवासी श्रमिकों की रोजी-रोटी की समस्या को दूर करते हुए उन्हें विभिन्न कार्यों से संलग्न किया गया। रोजगार सेतु पोर्टल बनाया गया। आजीविका मिशन के तहत महिलाओं ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से बड़ी संख्या में मास्क, साबुन और सेनेटाइजर का निर्माण कर कोरोना के विरुद्ध अपनी भागीदारी दर्ज की। किसान कल्याण के लिए भी अनेक कदम उठाए गए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारतीय खाद्य निगम के गोदामों के द्वार खोल दिए। जरूरतमंदों को राशन मिला। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण के कार्यों में कोई बाधा नहीं आने देगी। ऐसे कार्यों के लिए धनराशि की कमी आड़े नहीं आएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि खेत सड़क योजना पर ध्यान देंगे। इससे किसान अपनी मेहनत से उगाए उत्पादन को विक्रय के लिए आसानी से भेज सकेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर कोरोना से अपना बचाव करने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि फिलहाल फेस मास्क ही वैक्सीन है। प्रत्येक व्यक्ति अपना बचाव करे, सावधानी में ही सुरक्षा है।

कोरोना काल में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 4 हजार 120 किलो मीटर लंबी 12 हजार 960 ग्रामीण सड़कों का निर्माण करवा कर आपदा को अवसर में बदला। ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत यह सड़कें 1359 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित हुई हैं। लोकार्पण वाले 33 जिलों में 4.83 लाख कार्यों में 46.39 लाख श्रमिकों को नियोजित किया गया। कुल 11.62 करोड़ मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं। कोरोना आपदा काल में ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ विकास प्रक्रिया सतत जारी रखते हुये ये सड़कें बनाई गईं। इसी तरह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस वित्त वर्ष में 15 लाख श्रमिक दिवस सृजित किए गए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 1104 किलो मीटर लम्बी 171 सड़कें एवं 47 बड़े पुल शामिल हैं। इनकी लागत 691.41 करोड़ रूपये है। पंचायत ग्रामीण विकास विभाग ने इस अवधि में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 3016 किलो मीटर लंबाई की सीमेंट कांक्रीट की 10 हजार 792 सड़कें तथा ग्रामों के भीतर स्कूल, मजरे-टोलों आदि में सुगमता से आने-जाने के लिये 1997 ग्रेवल भी निर्मित कीं, जो ग्रामवासियों के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान की पंचायत पदाधिकारियों से बातचीत

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लोकार्पण के बाद कुछ जिलों की ग्राम पंचायतों के पदाधिकारियों से संवाद भी किया। इनमें श्री कैलाश राठौर ग्राम पंचायत पलसोडा जनपद एवं जिला रतलाम, श्री राजेन्द्र पटेल उप प्रधान ग्राम पंचायत फुलरी जनपद चावरपाठा जिला-नरसिंहपुर और श्रीमती सेवंती गणेश उइके प्रधान ग्राम पंचायत शोभापुर जनपद घोडाडोंगरी जिला बैतूल शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पंचायत पदाधिकरियों को कम समय अवधि में संपन्न निर्माण कार्यों के लिए बधाई भी दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पंचायत पदाधिकारियों से विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की और ग्राम में उपलब्ध सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य की स्थिति और कोरोना से बचाव के लिए अपनाए गए उपायों की भी जानकारी प्राप्त की। अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मनोज श्रीवास्तव ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी।

मिंटो हॉल स्टूडियो में आयोजित वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम में सड़कों के निर्माण पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री सचिन सिन्हा, आयुक्त राज्य रोजगार गारंटी परिषद सोफिया फारुकी वली, आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाडे भी उपस्थित थे।

कांग्रेस ने की ग्वालियर और चंबल जनता के साथ गद्दारी : सिंधिया

स्वराज्य अभियान, ग्वालियर

कांग्रेस ने ग्वालियर और चंबल के साथ ही नहीं बल्कि समूचे प्रदेश के साथ गद्दारी की है। यह कहना है राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया का। वह यहां महाराजपुरा विमानतल तल पर मुरैना के दौरे पर निकलने से पहले पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। कांग्रेस द्वारा उनके ऊपर पार्टी के साथ गद्दारी किए जाने के आरोप के सवाल पर जवाब देते हुए श्री सिंधिया ने कहा कि विकास और प्रगति के मामले में कमलनाथ और उनकी सरकार ने पूरे प्रदेश को धोखा दिया।

पूर्व सीएम कमलनाथ पर तीखा हमला बोलते हुए श्री सिंधिया ने कहा कि उनको पूरे कार्यकाल में केवल अपनी कुर्सी और तिजोरी की चिंता रही। वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने पांच महीने के कार्यकाल में जनता के हित में अपनी तिजोरी खोल दी। उन्होंने जनता के लिए अनेक योजनाएं दी हैं। वहीं कमलनाथ जी सदैव 'पैसा नहीं है' का रोना रोते रहे। दरअसल कुछ लोग ऐसे होते हैं जो संभव को भी असंभव बना देते हैं और कुछ ऐसे होते हैं जो असंभव को संभव करके दिखा देते हैं।

श्री सिंधिया ने कल एक रैली में कमलनाथ के काफिले पर हुए कथित हमले को निंदनीय बताते हुए कहा कि राजनीति में हम आमने-सामने जरुर होते हैं लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। लेकिन कांग्रेस ने राजनीति का जो स्तर दिखाया है उस पर उसे खुद भी अपने गिरेबां में झांककर देखना चाहिए।

आर.ओ. प्रत्येक मतदान केन्द्र पर मतदान केन्द्र के अन्तर्गत संपूर्ण जानकारी लिखवायें: जिला निर्वाचन अधिकारी

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा ने जिले के जौरा, सुमावली, मुरैना, दिमनी और अंबाह विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफीसरों को निर्देश दिये कि प्रत्येक मतदान केन्द्र पर मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त जानकारी प्रिन्ट करावें। जिसमें दीवार या बैकग्राउण्ड पीले कलर का तथा अक्षर काले कलर के होने चाहिये। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम विधानसभा क्षेत्र क्रमांक, नाम, मतदान केन्द्र क्रमांक, मतदान केन्द्र का नाम, सम्मिलित क्षेत्र, मतदान दिनांक, मतदान का समय, रिटर्निंग ऑफीसर का नाम, मोबाइल नम्बर, बीएलओ का नाम एवं मोबाइल नम्बर तथा थाना प्रभारी का मोबाइल नम्बर होने चाहिये।

सौ से अधिक जनसमूह के कार्यक्रम प्रशासन की अनुमति से आयोजित हो सकेंगे : डॉ. राजौरा

स्वराज्य अभियान, भोपाल

कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव हेतु विधानसभा उप चुनाव के विधानसभा क्षेत्रो में राजनैतिक कार्यक्रमों में जनसमूह के संबंध में गृह विभाग द्वारा भारत सरकार की नवीन गाइडलाइन अनुसार दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने बताया है कि जिला प्रशासन की अनुमति से खुले मैदान में 100 से अधिक संख्या में जनसमूह के राजनैतिक कार्यक्रम फेस मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, सेनेटाइजेशन और थर्मल स्केनिंग की व्यवस्थाओं के पालन की शर्तों के साथ आयोजित हो सकेंगे। डॉ. राजौरा ने बताया कि आयोजकों को जिला प्रशासन के समक्ष लिखित आवेदन प्रस्तुत करना होगा, जिसमें कार्यक्रम की तिथि, समय, स्थान एवं संभावित जनसमूह की संख्या का उल्लेख करना जरूरी होगा। जनसमूह की संख्या एवं शर्तों का पालन कराने की जिम्मेदारी आयोजकों की रहेगी। जिला कलेक्टरों द्वारा आवेदन पर विचार करने के बाद कार्यक्रम की लिखित अनुमति प्रदान की जायेगी। किसी भी हालत में उक्त कार्यक्रम कंटेन्मेंट जोन में आयोजित नहीं हो सकेंगे।

कार्यक्रम की वीडियोग्राफी आयोजकों को कार्यक्रम समाप्ति के 48 घंटो में प्रशासन को उपलब्ध करानी होगी। डॉ. राजौरा ने बताया कि बिना अनुमति 100 से अधिक जनसमूह के कार्यक्रम करने अथवा प्रदत्त अनुमति में उल्लेखित शर्तों के उल्लंघन पर संबंधितों के विरूद्ध धारा-188 भारतीय दण्ड विधान के अन्तर्गत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

ल की तीन लाख रिक्त सीटों पर प्रवेश देने कल से तीसरी ष्टस्राट होगी शुरू

भोपाल। प्रदेश के 1405 निजी और सरकारी कालेजों के यूजी की करीब तीन लाख रिक्त सीटों पर प्रवेश देने के लिए कल से तीसरी राउंड की कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) शुरू हो रही हैं। सीटों में अभी और बढ़ोतरी हो सकती है। क्योंकि विभाग ने कालेजों को 15 से 30 फीसदी तक सीटें बढ़ाने की अनुमति प्रदान कर दी है। इसके तहत विद्यार्थी नौ से 14 अक्टूबर तक पंजीयन और च्वाइस फिलिंग कराएंगे। नये पंजीकृत विद्यार्थी 15 अक्टूबर तक अपना सत्यापन कराएंगे। विभाग ने विद्यार्थियों को खास तौर पर सूचित किया है कि पूर्व की सभी च्वाइस फिलिंग निरस्त कर दी गई है। उन्हें तीसरे राउंड की सीएलसी में अपनी च्वाइस फिलिंग दोबारा देना होगी। 19 अक्टूबर को विभाग सभी की मेरिट जारी करेगा। मेरिट में स्थान हासिल करने के बाद विद्यार्थी 26 अक्टूबर तक प्रवेश ले पाएंगे। इसी तरह पीजी में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थी 14 से 19 अक्टूबर तक पंजीयन और च्वाइस फिलिंग कराएंगे।

उपचुनाव में 9 सीटों पर दलबदलुओं के बीच मुकाबला

उपचुनाव में कई विधानसभा सीटों पर रोचक घमासान

स्वराज्य अभियान, भोपाल

मध्य प्रदेश की कुछ सीटों पर इस बार रोचक मुकाबला होने वाला है। इनमें से ज्यादातर ग्वालियर-चंबल संभाग में हैं। उपचुनाव में कुल 9 ऐसी सीटें हैं, जहां कोई भी प्रत्याशी जीते वो जीत दलबदलू की ही होगी। प्रदेश की 9 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने दूसरे दलों से आए प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। इनमें से ज्यादातर कांग्रेस और भाजपा के दलबदलू हैं, जो भाजपा से कांग्रेस और कांग्रेस से भाजपा में गए हैं।

मध्य प्रदेश की 28 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने जा रहा है। इनमें 9 विधानसभा सीटों पर रोचक मुकाबला होगा। मुरैना जिले की सुमावली और अंबाह सीट, ग्वालियर जिले की ग्वालियर पूर्व और डबरा सीट, दतिया जिले की भांडेर, शिवपुरी जिले की करैरा, गुना जिले की बमौरी, सागर जिले की सुरखी, इंदौर जिले की सांवेर विधानसभा सीटों पर दलबदलू की जीत तय है।

इन नौ सीटों पर जीतेगा दलबदलू

सुमावली विधानसभा सीट: भाजपा ने कांग्रेस से आए ऐंदल सिंह कंसाना को प्रत्याशी बनाया और कांग्रेस ने भाजपा से आए अजब सिंह कुशवाहा को मैदान में उतारा है।

अंबाह विधानसभा सीट: भाजपा ने कांग्रेस से आए कमलेश जाटव को टिकट दिया। कांग्रेस ने बसपा से आए सत्यप्रकाश सकवार को मैदान में उतारा।

ग्वालियर पूर्व विधानसभा सीट: भाजपा ने कांग्रेस से आए मुन्ना लाल गोयल को प्रत्याशी बनाया। कांग्रेस ने भाजपा से आए सतीश सिकरवार को मैदान में टिकट दिया।

डबरा विधानसभा सीट: भाजपा ने कांग्रेस आई इमरती देवी को मैदान में उतारा। कांग्रेस ने

भाजपा से आए सुरेश राजे को प्रत्याशी बनाया।

भांडेर विधानसभा सीट: भाजपा ने कांग्रेस से आई रक्षा सिरोनिया को प्रत्याशी बनाया। कांग्रेस ने बहुजन संघर्ष दल से आए फूलसिंह बरैया को टिकट दिया।

करैरा विधानसभा सीट: भाजपा ने कांग्रेस से आए जसवंत जाटव को उम्मीदवार बनाया। कांग्रेस ने बसपा से आए प्रागी लाल जाटव को टिकट दिया।

बमौरी विधानसभा सीट: भाजपा ने कांग्रेस से आए महेंद्र सिंह सिसौदिया को टिकट दिया। कांग्रेस ने भाजपा से आए कन्हैया लाल अग्रवाल को अपना प्रत्याशी बनाया।

सुरखी विधानसभा सीट: भाजपा ने कांग्रेस से आए गोविंद सिंह राजपूत को टिकट दिया। कांग्रेस ने भाजपा से आई पारुल साहू को मैदान में उतार दिया।

सांवेर विधानसभा सीट: भाजपा ने कांग्रेस से आए तुलसी सिलावट को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने भाजपा से आए प्रेमचंद गड्डू को उम्मीदवार बनाया।

दलबदलुओं पर भाजपा का जवाब

इन सीटों पर भाजपा ने कांग्रेस से आए नेताओं को उम्मीदवार बनाया है, तो कांग्रेस ने भी भाजपा से आए 6, बसपा के 2 और बहुजन संघर्ष दल से आए 1 नेता को टिकट दिया है। भाजपा के नेता राज्यमंत्री भारत सिंह कुशवाहा का कहना है कि हमने कांग्रेस से आए जिन प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा है, उन्होंने बड़ा त्याग और बलिदान दिया है। भारत सिंह के मुताबिक आज के दौर में लोग सरपंच पद नहीं छोड़ते, ऐसे में जिन लोगों ने मंत्री और विधायक पद छोड़कर भाजपा का दामन थामा है, उनका टिकट पर वैधानिक हक बनता है। पार्टी की ऐसे लोगों को टिकट देने की नैतिक जिम्मेदारी है।

कांग्रेस बोली- निस्वार्थ भाव से आए नेता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव का कहना है कांग्रेस छोड़ भाजपा में गए लोगों ने मंत्री विधायक पद का सौदा कर भाजपा ज्वाइन की है, लेकिन हमारी पार्टी में भाजपा या अन्य पार्टी के लोग निस्वार्थ भाव से आए हैं। इसलिए हमने इन 9 सीटों पर भाजपा या अन्य दलों से आए उम्मीदवार उतारे हैं। जनता इनको आशीर्वाद देगी और कांग्रेस से दगाबाजी कर भाजपा के टिकट पर चुनाव लडने वालों को जनता सबक सिखाएगी।

भोज, महू और शहडोल विवि के कुलपति भी कर पाएंगे रैक्टर की नियुक्ति

राज्यपाल की मोहर का इंतजार

स्वराज्य अभियान, भोपाल

भोज विश्वविद्यालय, महू विश्वविद्यालय और शहडोल विश्वविद्यालय में भी रैक्टर की नियुक्ति हो सकेगी। विश्वविद्यालय अधिनियम 1991 में यह प्रावधान किए जा रहे है। विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के प्रावधानों का हवाला देते हुए भोज विश्वविद्यालय ने यह प्रस्ताव दिया था, जिसको स्थाई समिति ने मंजूरी दे दी है। अब विश्वविद्यालय समन्वय समिति की मंजूरी के बाद उक्त विश्वविद्यालयों में रैक्टर की नियुक्ति हो सकेगी। गौरतलब है कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को रैक्टर नियुक्त करने का अधिकार होता है। कुछ दिनों पहले बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलनति आरजे राव ने डीन केबी पंडा को बीयू का रैक्टर नियुक्त किया है।

इसके अलावा अस्थाई समिति ने अन्य कई प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसके तहत अब विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों को कोड 28 के तहत शिक्षकों की नियुक्ति करना होगी। यह प्रावधान पहले से है। इसके बाद भी कॉलेजों में कोड 28 के तहत शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होती है। इसको देखते हुए अब इस नियम को सख्ती से लागू करने की तैयारी विश्वविद्यालयों को करने के निर्देश जारी किए जा रहे हैं। वहीं पीएचडी की थीसिस को ऑनलाइन जमा किए जाने का प्रावधान भी लागू किया जाएगा। इससे पीएचडी में नकल सहित अन्य किसी भी प्रकार की गड़बड़ी शोधार्थी नहीं कर पाएंगे।

लंबे समय से प्रदेश के विश्वविद्यालयों के अधिनियम में एकरूपता लाने की बात चल रही है। इसको लेकर एक बार फिर स्थाई समिति ने मंजूरी दी है। इसका प्रस्ताव समन्वय समिति में रखा जाएगा। इसके तहत प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में परीक्षा और परीक्षा परिणाम एक ही समय पर आएंगे। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के पाठयक्रमों में सभी सामनता होगी। एक समय पर होंगे सभी विवि के एग्जाम।

अभियान

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली शपथ

कोविड 19 अनुकूल व्यवहार परिवर्तन सघन अभियान के दूसरे दिन

स्वराज्य अभियान, भोपाल

कोविड 19 अनुकूल व्यवहार सघन अभियान के दूसरे दिन आज प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के सभी स्वास्थ्य केंद्र और कार्यालयों में अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में अभियान को सफल बनाने के लिए शपथ ली गई।

कोविड-19 अनुकूल व्यवहार परिवर्तन सघन अभियान 30 नवम्बर तक

संचालक राज्य स्वास्थ्य सूचना शिक्षा संचार ब्यूरो श्री बसंत कुर्रे ने ब्यूरो कार्यालय में अधिकारियों के साथ अभियान के पहले दिन जिलों में संचालित की गई गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा की। अभियान के क्रियान्वित करने के सम्बन्ध में दिए गए निर्देशो से सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को अवगत करवाते हुए कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा उप निर्वाचन-2020 की आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए

दिए गए निर्देशो का पालन कर अभियान की गतिविधियाँ संचालित की जायें।

संचालक राज्य स्वास्थ्य सूचना शिक्षा ब्यूरो ने बताया कि आगामी दिनों में त्यौहार आदि के कारण लोगों के आपस में मिलने-जुलने और एकत्रित होने को ध्यान में रखते हुए कोरोना से बचाव के लिये दो गज की सामाजिक दूरी रखने, घर से बाहर निकलने पर मास्क पहनने, साबुन-पानी से हाथ धोने अथवा सेनेटाइज करते रहने आदि जरूरी बचाव के उपायों को लोगों को बताया जाये। उन्होंने कहा कि अभियान की थीम 'सावधानी में ही सुरक्षा है' और पंचलाइन 'कोरोना से बचने के लिये है जरूरी, मास्क पहने, धोते रहें हाथ, रखें दो गज की दूरी' है। जिले के अन्य विभागों के कार्यालय प्रमुख संबंधित विभाग के लिये नोडल अधिकारी से संपर्क में रहे। उन्होंने बताया कि कोविड-19 संक्रमण के लक्षण एवं बचाव की रोकथाम के उपायों से आमजन को परिचित करने के लिये प्रचार-प्रसार की उपयुक्त और व्यापक व्यवस्था करे। अभियान संचालन में सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी सहयोग प्राप्त किया जाये। समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को कोविड-19 संबंधी जानकारी और प्रचार सामग्री को ऑनलाइन उपलब्ध कराकर इसकी लिंक भेजी गई है। संचालक ने अभियान की प्रचार-प्रसार गतिविधियों की जानकारी सार्थक लाइट एप पर अपलोड करवाने के लिये भी अधिकारियों को कहा।

कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए स्टार प्रचारकों के संबंध में आयोग के निर्देश

भारत निर्वाचन आयोग ने स्टार प्रचारकों के संबंध में कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए निर्देश जारी किये हैं। इसके तहत आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के लिये स्टार प्रचारकों की संख?या 40 से घटाकर 30 कर दी गई है और पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के लिये यह संख्या 20 से घटाकर 15 कर दी गई है। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि सभी दल नामांकन की अधिसूचना दिनांक से अब 7 दिवस की बजाय 10 दिवस तक स्टार प्रचारकों की सूची प्रस्तुत कर सकेंगे। स्टार प्रचारकों की सभा या कार्यक्रम की अनुमति के लिये 48 घंटे पहले संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करना होगा।

आवश्यकता है

दैनिक स्वराज्य अभियान

और

स्वराज्य न्यूज

जिला और तहसील में ब्यूरो व एजेंसी के लिए

संपर्क करें:
प्रबंधक
7897333217

मालिक/मुद्रक/प्रकाशक